

अनमोल वचन
हठिकोणः शस्त्र बनकर नहीं
बल्कि शस्त्रियत बनकर जियो,
क्योंकि शस्त्र एक दिन विदा
हो जाता है पर शस्त्रियत
हमेशा जिंदा रहती है.



website: <https://www.supauldastaknews.com>

ईमेल: rajeshkumarranjan4056@gmail.com

मासिक हिन्दी



वर्ष:- 1

अंक:- 10

सुपौल, माह अक्तूबर, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी)

पृष्ठ: 8

मूल्य: 5/- ₹.

एक नजर

योजनाओं की समीक्षा एवं क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई



मंगलवार को श्री इंद्रवीर कुमार, उप विकास आयुक्त, सुपौल की अध्यक्षता में कायाकल्प अभियान से संबंधित योजनाओं का समीक्षा एवं क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान कायाकल्प अभियान के अंतर्गत योजनाओं का चयन कर पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा तकनीकी स्वीकृति (TS) एवं प्रशासनिक स्वीकृति (AS) से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए योजनाओं का कार्य प्रारंभ करने का निर्देश सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारियों को दिया गया। उप विकास आयुक्त ने योजनाओं के क्रियान्वयन में निर्धारित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने पर बल दिया। उक्त बैठक में निदेशक, डीआरडीए (NEP), सुपौल, सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद/नगर पंचायत, सुपौल जिला, अपर पंचायत राज पदाधिकारी, सुपौल सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

कुल-11 वार्डों की सुनवाई की गयी



आज मंगलवार को श्री सावन कुमार जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा लोक शिकायत निवारण संबंधी द्वितीय अपील की कुल-11 वार्डों की सुनवाई की गयी, जिसमें 03 वार्डों का निष्पादन किया गया तथा 08 वार्ड में अगली तिथि दिनांक 27.10.2026 निर्धारित की गई।

सुनवाई में कार्यालय वेशम में सहायक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, सुपौल, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना (शिक्षा), सुपौल, कार्यपालक अभियंता, नगर विकास प्रमंडल, मधेपुरा एवं स्वच्छता पदाधिकारी, नगर परिषद, सुपौल तथा विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी, राधोपुर एवं छतापुर उपस्थित हुए।

बिहार में पहले 12 मेगावाट डेटा सेंटर का हुआ शुभारंभ संवाददाता

पटना: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज पटना के पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र में CtrlS डेटा सेंटर का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने प्रथम तल पर बने कंपनी के डेटा सेंटर कक्ष का जायजा लिया और वहां से संचालित होने वाले डिजिटल कार्यों की पूरी जानकारी ली।

पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

मंगलवार को श्री सावन कुमार जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा मिडवे सर्विस प्लाजा, मोटल आसनपुर कुपहा, सुपौल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान



जिलाधिकारी ने परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा कार्य की प्रगति की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया, ताकि परियोजना का

समयमय निष्पादन सुनिश्चित हो सके तथा यहां आने वाले यात्रियों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी



ने आगामी द्वितीय योजना (Phase-II) के अंतर्गत मिडवे सर्विस प्लाजा के समग्र विकास एवं सुविधाओं के विस्तार पर बल दिया। उन्होंने पार्क एवं इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन के क्षेत्र का विस्तार करने तथा रैमिंग जौन एवं एंक्टिविटी पार्क को अधिक वृहद एवं आकर्षक स्वरूप में विकसित करने हेतु आवश्यक प्रावधान किए जाने की आवश्यकता बताई। साथ ही, प्रस्तावित सुविधाओं के सुव्यवस्थित

विकास हेतु अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता का आकलन कर भूमि की उपलब्धता एवं आवश्यकतानुसार भूमि अधिग्रहण की संभावनाओं पर विचार करने का निर्देश दिया, ताकि परिसर को यात्रियों एवं पर्यटकों के लिए अधि सुविधाजनक एवं आकर्षक बनाया जा सके।



जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को परियोजना के विकास से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने तथा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान श्री विकास कुमार, कार्यपालक अभियंता, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, श्री संजय कुमार, सहायक अभियंता, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, श्री पप्पू कुमार, संवेदक प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

सुपौल दस्तक मासिक अखबार

मिट्टी से मीडिया तक: राजेश कुमार रंजन की संघर्ष की कहानी

किसान परिवार का बेटा, जिसने सुपौल दस्तक के जरिए अपनी पहचान बनाने का सपना देखा



जिसमें संघर्ष है, जिम्मेदारियां हैं, आर्थिक चुनौतियां हैं और अपने सपनों को पूरा करने का जुनून है। मैं एक किसान परिवार से आता हूं। किसान परिवार में जीवन को करीब से समझने का अवसर मिलता है। मेहनत, धैर्य और उम्मीद का महत्व समझ में आता है। खेतों में मेहनत करने वाला किसान जानता है कि बीज बोने के बाद फसल तैयार होने में समय लगता है। हर दिन मेहनत करनी पड़ती है, मौसम की अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है और उम्मीद बनाए रखनी पड़ती है।

मेरे जीवन के संघर्ष ने भी मुझे यही सिखाया—सपने देखने से ज्यादा जरूरी है, उनके लिए लगातार मेहनत करते रहना। किसान परिवार से निकला एक सपना किसान परिवार से आने के कारण मेरी जिंदगी को शुरूआत किसी बड़े मीडिया संस्थान की चमक-दमक के बीच नहीं हुई। मेरे सामने भी जीवन की वास्तविक चुनौतियां थीं। परिवार की जिम्मेदारियां थीं और भविष्य को बेहतर बनाने की इच्छा थी।

मेरे मन में पत्रकारिता के माध्यम से अपनी पहचान बनाने और समाज के लिए कुछ करने का सपना था। लेकिन सपना देखना एक बात है और उसे हकीकत में बदलना दूसरी बात।

इसके लिए समय चाहिए था, मेहनत चाहिए थी और संसाधनों की जरूरत थी। आर्थिक परिस्थितियों के बीच सपने लक्ष्य की ओर बढ़ना आसान नहीं था। फिर भी

मैंने अपने सपने को छोड़ने के बजाय उसे पूरा करने का रास्ता तलाशने का प्रयास किया।

एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष मेरे जीवन की कठिनाई केवल आर्थिक समस्या तक सीमित नहीं थी। परिवार की जिम्मेदारियां निभानी थीं, अपने भविष्य के लिए रास्ता बनाना था और पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी जगह भी स्थापित करनी थी। जब कोई व्यक्ति सीमित संसाधनों के साथ कुछ नया शुरू करता है, तो उसे हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है। उसे अपने समय, मेहनत और उपलब्ध साधनों का सही उपयोग करना होता है।

मेरे लिए भी यह सफर चुनौतियों से भरा रहा। एक ओर जिम्मेदारियां का दबाव था, दूसरी ओर अपने सपने को सच करने की चाह।

कई बार मंजिल दूर दिखाई देती है, लेकिन ऐसे समय में ईमान का विश्वास ही उसे आगे बढ़ने की ताकत देता है। मैंने भी अपने उद्देश्य को सामने रखकर आगे बढ़ने का प्रयास किया।

सुपौल दस्तक: संघर्ष को पहचान में बदलने का प्रयास

इसी सोच के साथ सुपौल दस्तक न्यूज को आगे बढ़ाने का सपना मेरे लिए महत्वपूर्ण बना।

मेरे लिए सुपौल दस्तक सिर्फ एक अखबार या न्यूज प्लेटफॉर्म नहीं है। यह मेरी मेहनत और उस सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से मैं समाज की समस्याओं को सामने लाना चाहता हूं।

मैंने फ्रिट और डिजिटल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर सुपौल दस्तक की पहचान बनाने की दिशा में काम किया। अखबार, वेबसाइट, यूट्यूब और सोशल मीडिया के जरिए स्थानीय खबरों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया।

लेकिन एक मीडिया संस्थान को चलाने के लिए सिर्फ खबरें लिखना पर्याप्त नहीं होता। उसके संचालन में आर्थिक संसाधन चाहिए, तकनीकी व्यवस्था चाहिए, पाठकों का विश्वास चाहिए और लगातार काम करने की क्षमता चाहिए।

इन सबके बीच सुपौल दस्तक को आगे बढ़ाना मेरे लिए एक निरंतर चुनौती और जिम्मेदारी रहा है।

मेरी पत्रकारिता का उद्देश्य मैं चाहता हूं कि सुपौल दस्तक की पहचान ऐसी बने, जहां आम लोगों की समस्याओं को महत्व मिले। स्थानीय मुद्दों को सामने लाया जाए और तथ्यों पर आधारित खबरों के माध्यम से समाज को सही जानकारी मिले।

मेरे लिए पत्रकारिता का मतलब केवल बड़ी खबरें दिखाना नहीं है। गांवों की समस्याएं, किसानों की परेशानियां, आम लोगों की जरूरतें और प्रशासन से जुड़े जनहित के सवाल भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

किसान परिवार से आने के कारण ग्रामीण जीवन और आम लोगों के संघर्षों को महत्व देना मेरे लिए विशेष मायने रखता है। मैं चाहता हूं कि सुपौल दस्तक समाज के उन लोगों की आवाज बने, जिनकी समस्याओं

पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। मेरी कोशिश है कि खबरों की विश्वसनीयता बनी रहे और पाठकों का भरोसा इस संस्थान की सबसे बड़ी पूंजी बने।

मंजिल तक पहुंचने का सफर अभी जारी है

मैं जानता हूं कि सुपौल दस्तक को एक मजबूत और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर मीडिया संस्थान बनाने के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है।

मेरे सपने बड़े हैं। मैं चाहता हूं कि सुपौल दस्तक की पहचान सुपौल जिले से आगे पूरे बिहार तक पहुंचे। फ्रिट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से इसकी पहुंच बढ़े और स्थानीय पत्रकारिता को एक नई मजबूती मिले।

इसके लिए लगातार मेहनत करनी होगी, नई तकनीक अपनानी होगी, आर्थिक व्यवस्था मजबूत करनी होगी और पाठकों के विश्वास को बनाए रखना होगा।

मैं अपनी यात्रा को सफलता की पूरी हो चुकी कहानी नहीं मानता। यह एक ऐसा सफर है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखना है और हर चुनौती से आगे बढ़ने का रास्ता निकालना है।

मेरी जड़ें मिट्टी में हैं, मेरी नजर मंजिल पर

आज जब मैं अपने सफर को देखता हूं, तो मुझे अपने किसान परिवार से मिली सीख याद आती है—मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। जिस तरह किसान उम्मीद के साथ बीज बोता है और फसल के लिए धैर्य

रखता है, उसी तरह किसी सपने को पहचान बनाने के लिए भी निरंतर प्रयास करना पड़ता है।

मैं राजेश कुमार रंजन हूँ—एक किसान परिवार से निकला व्यक्ति, जिसने पत्रकारिता में अपनी पहचान बनाने और सुपौल दस्तक को आगे बढ़ाने का सपना देखा।

मेरी जिंदगी में आर्थिक चुनौतियां रही हैं, परिवार की जिम्मेदारियां रही हैं और अपनी जगह बनाने का संघर्ष रहा है। लेकिन इन सबके बीच अपने उद्देश्य को जिंदा रखना मेरी यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

मैंने संघर्षों के बीच सपने देखे हैं, जिम्मेदारियों के बीच आगे बढ़ने का प्रयास किया है और सुपौल दस्तक के माध्यम से अपनी एक पहचान बनाने का संकल्प लिया है।

लेकिन मेरा सफर जारी है।

क्योंकि मैं मानता हूं कि ईमान की पहचान इस बात से नहीं बनती कि उसने शुरूआत कहाँ से की, बल्कि इस बात से बनती है कि उसने अपनी परिस्थितियों के बीच क्या करने का प्रयास किया।

यह कहानी केवल राजेश कुमार रंजन की नहीं, बल्कि उन तमाम लोगों की उम्मीद है, जो साधारण परिस्थितियों से निकलकर अपने सपनों को हकीकत में बदलना चाहते हैं।

राजेश कुमार रंजन
संस्थापक, मालिक एवं संपादक
सुपौल दस्तक न्यूज, फ्रिट एवं डिजिटल मीडिया

सुपौल में सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर सख्ती, संयुक्त अभियान में 385 चालान, 3.35 लाख का जुर्माना

जिला परिवहन पदाधिकारी एवं यातायात पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में लोहिया चौक से सदर थाना तक चला सघन जांच अभियान

संवाददाता राजेश कुमार रंजन, सुपौल

परिवहन विभाग, बिहार के मुख्यालय के निर्देश के आलोक में सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण तथा यातायात नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज दिनांक 13.10.2026 को सुपौल में परिवहन विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) के नेतृत्व में यह अभियान लोहिया चौक से सुपौल सदर थाना तक संचालित किया गया।

अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 385 चालान जारी किए गए तथा 3, 35, 000 को जुमाना राशि निर्धारित की गई। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि परिवहन मुख्यालय के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध निगरानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख चौक—चौराहा—के बड़े व्यस्त सड़कों पर जांच अभियान चलाकर यातायात नियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने सुपौल के आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील



की कि दोपहिया वाहन चलाते समय स्वयं तथा पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए हेलमेट का उपयोग सुनिश्चित करें, चारपहिया वाहन चलाते समय सॉट बेल्ट अवश्य लगाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन स्वयं और दूसरों की जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। शहरी क्षेत्र में यंत्र-तंत्र एवं नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करना वालों को चेतावनी देते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि नो-पार्किंग में वाहन खड़ा करने वालों के विरुद्ध भी नियमानुसार जुमाना लगाया जाएगा। वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, जिम्मेदार वाहन चालन व्यवहार अपनाएं तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रशासन का सहयोग करें।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन अलर्ट

► सुपौल में संयुक्त अभियान से अतिक्रमणकारियों और जाम लगाने वालों पर सख्ती ► परिवहन, यातायात पुलिस, जिला प्रशासन एवं नगर परिषद की संयुक्त कार्रवाई; सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध जेसीबी से हटाया गया अवैध कब्जा

राजेश कुमार रंजन, सुपौल संवाददाता
आगामी दुर्गा पूजा एवं अन्य पर्व-त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा शहर में यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे, इसके लिए सुपौल जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिला पदाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के निर्देश के आलोक में आज परिवहन विभाग, यातायात पुलिस, जिला प्रशासन एवं सुपौल नगर परिषद द्वारा शहर में संयुक्त



जांच एवं अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ-साथ सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण करने वालों पर भी सख्ती बरती गई। संयुक्त अभियान में जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), पुलिस उपाधीक्षक (सदर), अनुमंडल पदाधिकारी (सदर), भूमि सुधार उपसमाहर्ता (सदर) एवं कार्यपालक पदाधिकारी, सुपौल नगर परिषद उपस्थित रहे। इनके अतिरिक्त परिवहन विभाग, यातायात पुलिस, जिला

प्रशासन एवं नगर परिषद के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी भी अभियान में शामिल हुए। अभियान के दौरान परिवहन विभाग द्वारा मोटरवाहन अधिनियम के उल्लंघन के मामलों में वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। वहीं, नगर परिषद की टीम ने सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने से कार्रवाई की। कई स्थानों पर सड़क की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर रास्ता बाधित करने वाले अतिक्रमण हिस्सों को जेसीबी मशीन की सहायता से हटाया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़क को अतिक्रमणमुक्त करना, आवागमन के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना तथा शहर में जाम की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) श्री मनोहर कुमार साहू ने बताया कि आगामी दुर्गा पूजा एवं अन्य पर्व-त्योहारों के मेहनतन श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम आवागमन तथा शहर में जाम की स्थिति को रोकने के लिए जिला पदाधिकारी के निर्देश पर यह संयुक्त अभियान चलाया गया है। प्रशासन का प्रयास है कि पूजा के दौरान आम नागरिकों एवं श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके लिए यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने, सड़कों को अतिक्रमणमुक्त रखने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिला परिवहन पदाधिकारी, सुपौल डॉ संजीव कुमार सज्जन ने बताया कि परिवहन विभाग के मुख्यालय से भी सघन वाहन जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़

बनाए रखने का निर्देश प्राप्त है। इसके आलोक में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन की आम नागरिकों से अपील: जिला प्रशासन ने आम नागरिकों, दुकानदारों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करें, दुकानों का



सामान सड़क पर न फैलाएं, निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करें तथा नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने से बचें। वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों में सहयोग करें। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्व-त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं शहर की यातायात व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सड़क पर अतिक्रमण कर आवागमन बाधित करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में सुपौल जिला राज्य स्तर पर अव्वल



राजेश कुमार रंजन, संवाददाता सुपौल बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन में सुपौल जिला ने माह सितम्बर-2026 की राज्यस्तरीय रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। निर्धारित मापदंडों एवं कार्य निष्पादन के आंकड़ों के आधार पर जारी रैंकिंग में सुपौल जिला ने कुल 89.50 अंक प्राप्त कर राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया।

अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सुपौल श्री विकास कुमार ने बताया कि जिले में लोक शिकायतों के समयबद्ध निष्पादन एवं अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन के आधार पर यह उपलब्धि हासिल हुई है। जिले में नियत समय-सीमा के अंदर 99.07 प्रतिशत परिवारों के निष्पादन के लिए 9.91 अंक प्राप्त हुए। वहीं, समीक्षाधीन माह में निर्धारित समय-सीमा के भीतर 100 प्रतिशत मामलों का निवारण करने के लिए 30 अंक तथा लोक शिकायतों की उपस्थिति के मामले में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए।

इसके अतिरिक्त, जिले में नियत समय-सीमा के भीतर प्रथम अपील के निष्पादन में 98.69 प्रतिशत तथा द्वितीय अपील के निष्पादन में 97.21 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। शासित अधिरोपण एवं अनुसूचनिक कार्रवाई के लिए 10 अंक तथा जिला स्तरीय बैठक की कार्यवाही पोर्टल पर अपलोड करने के लिए 5 अंक प्राप्त हुए। इन उपलब्धियों के आधार पर सुपौल जिला ने राज्यस्तरीय रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कोशी स्नातक द्विवार्षिक निर्वाचन को लेकर द्वितीय पीठासीन पदाधिकारी एवं माइक्रो ऑब्जर्वर को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता
सहरसा: समाहरणालय स्थित नया सभागार में 0०6 कोशी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन के निमित्त द्वितीय प्रशिक्षण में पीठासीन पदाधिकारी पी वन, पी टू, पी थ्री एवं माइक्रो ऑब्जर्वर का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिनियुक्त कर्मी एवं पदाधिकारियों को मतदान प्रक्रिया की सम्पूर्ण जानकारी एवं मतपेटिका का उपयोग और अपने-अपने बूथ पर कर्तव्यों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण तीन पालियों में पोलिंग पार्टी वाइज दिया गया प्रथम पाली सुबह 10.00 बजे से 12.00 बजे तक आठ पार्टी का, द्वितीय पाली दोपहर 01.00 बजे से 03.00 बजे तक आठ पार्टी का एवं तृतीय पाली 03.30 बजे से 05.30 बजे तक माइक्रो ऑब्जर्वर का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर उप निर्वाचन पदाधिकारी, एलेन अरविंद डीन एवं मतपेटिका एवं प्रशिक्षण कोषांग नोडल पदाधिकारी-सह-जिला योजना पदाधिकारी विशाल राधव के मार्गदर्शन एवं प्रयवेक्षण में हुआ।

सदर अस्पताल में सुरक्षा गार्ड से मारपीट मामले में, प्राथमिकी दर्ज कार्रवाई की मांग

संवाददाता
सहरसा: साधन सदर अस्पताल में ड्युटी के दौरान एक सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट और युनिफॉर्म फाड़ने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के संबंध में सुरक्षा गार्ड बिंदु कुमार ने सदर अस्पताल स्थित पुलिस चौकी में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। दरिद गए आवेदन में बिंदु कुमार ने कहा कि वे ओपीडी नंबर-13 में ड्युटी पर तैनात थे। दोपहर करीब 1 बजे एक युवक ओपीडी के कमरे में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। सुरक्षा गार्ड द्वारा पृछताछ किए जाने पर कथित तौर पर युवक ने उनके साथ मारपीट की और युनिफॉर्म फाड़ दिया। गार्ड के अनुसार, पृछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम सौरभ कुमार बताया। वही घटना के बाद अन्य सुरक्षा गार्डों ने मिलकर सौरभ कुमार को अस्पताल स्थित पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मी के हवाले कर दिया। सुरक्षा गार्ड ने अस्पताल में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का भी उल्लेख किया है। उन्होंने मोबाइल, पर्स और मोटरसाइकिल चोरी जैसी घटनाओं पर चिंता जताते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की है। बिंदु कुमार ने पुलिस से सौरभ कुमार के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पीएम श्री. आनंदपुर उच्च विद्यालय, हायाघाट में अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस मनाया

संवाददाता
दरभंगा। अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर दरभंगा जिले के हायाघाट अंचल के पीएम श्री +2 ल० म० उच्च विद्यालय, आनंदपुर में आज जिला आपदा प्रबंधन प्रशाखा, SDRF, माई भारत (युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार), रिलायंस फाउंडेशन एवं अदिथी के संयुक्त तत्वावधान में आपदा संबंधित कार्यशाला एवं मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। उक्त विषय पर SDRF दरभंगा के टीम कमाण्डर इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह एवं उनकी टीम के द्वारा बाढ़ सहित विभिन्न आपदाओं की तैयारी के विषय पर जानकारी दी गई।

बाढ़, भूकंप, दुबने से बचाव, CPR के बारे में विस्तृत रूप से मॉक ड्रिल कर विभिन्न अभ्यासों को दिखाया गया जिसमें विद्यार्थियों ने भी अभ्यास कर तरीकों को सिखा। तत्पश्चात रिलायंस फाउंडेशन के जिला समन्वयक पूरज कुमार के द्वारा मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना, वज्रपात/ठण्का व उसके बचाव के विषय पर विस्तृत रूप से बताया गया और समझाया गया। इस अवसर पर अदिथी, माई भारत, विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

शतरंज प्रतियोगिता में गया कॉलेज का परचम, प्राचार्य ने चैंपियन खिलाड़ियों को किया सम्मानित

संवाददाता
गयाजी: मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के तत्वावधान में केएलएस कॉलेज नवादा में आयोजित अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में गया कॉलेज, गया के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 10 महाविद्यालयों की पुरुष एवं महिला टीमों ने हिस्सा लिया। अपनी प्रतिभा, रणनीतिक कौशल और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन का परिचय देते हुए गया कॉलेज की पुरुष एवं महिला टीम ने संयुक्त रूप से कुल 21 अंक अर्जित कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं, महिला वर्ग में 9 अंक प्राप्त कर गया कॉलेज की टीम संयुक्त उपविजेता रही।

यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मजबूत टीम भावना का प्रतिकल है। इस शानदार फसलता के उपलक्ष्य में गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि गया कॉलेज के खिलाड़ी भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेंगे।

कृषि टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक

संवाददाता
बेगुसराय: कारगिल विजय सभा भवन में मंगलवार को जिला पदाधिकारी श्री रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, सहकारिता, लघु सिंचाई, विद्युत, उद्यान, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, खरीफ फसलों के आच्छादन, बाढ़ एवं अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को कृषि इनपुट अनुदान के भुगतान, रबी मौसम 2026–27 के लिए उर्वरक की उपलब्धता तथा कृषि क्षेत्र से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को कृषि योजनाओं का लाभ किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने खरीफ मौसम 2026–27 के अंतर्गत जिन प्रखंडों में डिजिटल क्रांप सर्वे का कार्य लंबित है, वहां सर्वे का शेष कार्य एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से पूरा कराने को कहा। साथ ही, फार्मर रजिस्ट्री में मटिहानी प्रखंड की प्रगति संतोषजनक नहीं रहने पर संबंधित पदाधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।समीक्षा के दौरान बताया गया कि बेगुसराय जिले में खरीफ मौसम 2026–27 के लिए निर्धारित 74, 640.05 हेक्टेयर लक्ष्य के विरुद्ध 74, 417.84 हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों का आच्छादन किया गया है, जो लक्ष्य का 99.70 प्रतिशत है। मक्का का आच्छादन 53, 099.90 हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो निर्धारित लक्ष्य 51, 708.90 हेक्टेयर का 102.69 प्रतिशत है। वहीं, धान का आच्छादन 11, 233.23 हेक्टेयर रहा, जो निर्धारित लक्ष्य का 93.96 प्रतिशत है। जिले को प्राप्त 550.65 किंटनल संकर धान, मक्का, सोयाबीन, ज्वार, रागी एवं अन्य फसलों के बीजों का शत-प्रतिशत वितरण किसानों के बीच किया जा चुका है।अगस्त 2026 के अंतिम सप्ताह में हुई अतिवृष्टि एवं नदियों के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण जिले के आठ प्रखंडों मटिहानी, शम्भो, बेगुसराय, बरौनी, तेघड़ा, बछवाड़ा, बलिया एवं साहेबपुर कमाल की 70 पंचायतें प्रभावित हुई थीं। इन क्षेत्रों में कुल 21, 543.40 हेक्टेयर प्रभावित रकबे में से 20, 369.15 हेक्टेयर क्षेत्र में 33 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति प्रतिवेदित की गई। प्रभावित किसानों को राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि इनपुट अनुदान के तहत 13 अक्टूबर 2026 की सुबह तक प्राप्त 56, 552 आवेदनों में से 50, 886 आवेदनों का एसी स्तर तथा 50, 033 आवेदनों का एडीएम स्तर से अनुमोदन किया जा चुका है। एडीएम स्तर पर कोई आवेदन लंबित नहीं है। जिला पदाधिकारी ने शेष आवेदनों के सत्यापन एवं निष्पादन में तेजी लाने तथा पात्र किसानों को नियमानुसार राहत राशि का भुगतान समयय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।रबी मौसम 2026–27 की तैयारियों की समीक्षा के दौरान उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था

श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव महिषी के तैयारी को लेकर नगर आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

तीन दिवसीय कार्यक्रम 19, 20 व 21 नवम्बर को होगा आयोजन

संवाददाता
सहरसा: नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा की अध्यक्षता में नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को जिला अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न महोत्सव की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई।इस अवसर पर श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव, महिषी- 2026' के आयोजन हेतु विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान विभिन्न कमिटी के समीक्षा के साथ ग्रामीण बुद्धिजीवी को इस महोत्सव से जोड़ने, पुस्तक मेला आयोजन, स्मारिका के गुणवत्ता मौलिकता के साथ सेमिनार एवं वाद-विवाद समिति संयोजक बनाने के प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया।साथ ही महोत्सव आयोजन की तिथि निर्धारण में जिलाधिकारी द्वारा बाढ़ सहित अन्य कारणों से छठ पूजा उपरांत 19, 20 व 21 नवम्बर की तीन दिवसीय महोत्सव आयोजन की तिथि निर्धारित की गई है।ज्ञात हो कि श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव में पहली बार विशेष रूप से फुड कार्ट का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें मिथिला भोजन व्यंजन के साथ साथ प्रसिद्ध व्यंजन व खाद्य पदार्थ का भी इंतजाम किया जा रहा है।

नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा ने बताया कि श्री उग्रतारा सांस्कृतिक महोत्सव एक महत्वपूर्ण आयोजन है।इस आयोजन



को विश्वस्तरीय उत्सव मनाये जाने को लेकर ख्यातिप्राप्त प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया जा रहा है।

वही महोत्सव को वादगार बनाने हेतु कलाकारों द्वारा कार्यक्रम स्थल से उग्रतारा स्थान एवं मंडन धाम तक आकर्षक प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। उन्होंने बताया इस महोत्सव में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित किया जाएगा। साथ ही तीन दिवसीय महोत्सव का नगर निगम द्वारा शहर में लगाये गए सभी एलसीडी पर लाइव कार्यक्रम प्रसारित किया जाएगा। इस बैठक में नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा, कला संस्कृति पदाधिकारी रत्नेहा झा, प्रो अक्षय कुमार चौधरी, अमित आनंद सहित अन्य मौजूद रहे।

400 साल पुराने मजार को बचाने की उठी मांग पुराने

सर्वे के आधार पर सड़क निर्माण कराने की मांग

इंडिया गठबंधन के नेताओं ने डीएम से मिलकर एनएच-527 के नए सर्वे पर उठाए सवाल



संवाददाता
दरभंगा। इंडिया गठबंधन के नेताओं ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर मजार को सुरक्षित रखने की मांग किया।।ताओं ने कहा हायाघाट में एनएच-527 के निर्माण को लेकर करीब 400 साल पुराने मजार को बचाने की मांग उठी है।

इसको लेकर सड़क निर्माण के लिए किए गए नए सर्वे में मजार को सड़क की जद में दिखाया गया। जबकी पू्व के सर्वे के अनुसार मजार सड़क के दायरे में नहीं आता था।

इंडिया गठबंधन के नेता संयोजक उदय शंकर यादव के नेतृत्व में मुलाकात कर उपरोक्त मांग को रखा प्रतिनिधि पण्डल में श्याम भार्गवी, नादायणजी झा, अविनाश ठाकुर, मिथिलाक्षेत्र चौधरी, डॉ. जमाल हसन और बिंदू सहनी ने जिलाधिकारी के समक्ष इस मामले को उठाया। उन्होंने कता मजार करीब 400 साल पुराना है और स्थानीय लोगों की आस्था से जुड़ा हुआ है. ऐसे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल को बचाने के लिए मजार सड़क के दायरे में नहीं आना था।

भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए समयबद्ध सर्वेक्षण जरूरी : डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल

लंबित कार्यों वाले जिलों में तेजी लाने, ग्राम सीमा सत्यापन पूरा करने और मौजावार मॉनिटरिंग के निर्देश

संवाददाता
पटना। भूमि विवादों के स्थायी समाधान और राज्यय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना आवश्यक है। राज्य के भविष्य के लिए सर्वेक्षण का कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। समय पर सर्वेक्षण पूरा होने से जमीन से जुड़ी अनेक समस्याओं के समाधान का रास्ता आसान होगा। इसके लिए सभी अधिकारी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें, कार्यों की नियमित निगरानी करें और तय समय-सीमा के भीतर परिणाम सुनिश्चित करें। राज्यस् एवं भूमि सुधार विभाग के माननीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने मंगलवार को राज्य (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर, पटना में आयोजित विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। माननीय मंत्री ने सभी बंदोबस्त पदाधिकारियों को लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मासिक एवं साप्ताहिक कार्ययोजना तैयार करने और उसके अनुरूप कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जोर दिया कि निर्धारित लक्ष्य के आधार पर काम करने से प्रगति की नियमित



समीक्षा की जा सकेगी और कार्यों को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी। विशेष सर्वेक्षण के अंतर्गत खानापुरी, किरतवार तथा ग्राम सीमा सत्यापन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

माननीय मंत्री ने ग्राम सीमा सत्यापन का कार्य हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए वास्तविक समय के

पूरा कराने को कहा। खरीफ मौसम 2026–27 के अंतर्गत जिले के कुल 3, 89, 514 प्लॉट्स में से 2, 58, 227 प्लॉट्स का डिजिटल क्रांप सर्वे पूरा हो चुका है। वहीं, डीबीटी पोर्टल पर पंजीकृत 3, 85, 955 किसानों में से 1, 30, 089 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी की जा चुकी है। मटिहानी प्रखंड में फार्मर रजिस्ट्री की धीमी प्रगति को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को विशेष प्रयास कर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।कृषि यांत्रिकण योजना के अंतर्गत 1, 913 भौतिक लक्ष्यों के विरुद्ध ओएफएमएएफ पोर्टल पर 3, 334 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मटिहानी, डंडारी एवं बछवाड़ा प्रखंडों में तीन क्लस्टरों के माध्यम से 375 किसानों द्वारा 150 हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की जा रही है। जैविक खेती प्रोत्साहन के तहत पक्के वर्मी कम्पोस्ट की 1, 800 इकाइयों के लक्ष्य के विरुद्ध 1, 495 परमिट जारी किए गए हैं, जबकि गोबर एवं बायोगैस से संबंधित सभी शाप परमिट निर्गत किए जा चुके हैं। जीविका दीदीयों एवं सीएलएफ के माध्यम से 9, 521 मॉट्रिक टन हरी खाद तैयार की गई है, जिसमें से 8, 084 मॉट्रिक टन का उपयोग खेतों में किया जा चुका है।कृषि सिंचाई एवं विद्युत आपूर्ति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के 52 कृषि विद्युत फीडरों के माध्यम से 18, 732 कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को प्रतिदिन औसतन 16 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। लघु सिंचाई प्रमंडल के अंतर्गत कुल 351 राजकीय नलकूपों में से 216 नलकूप चालू स्थिति में हैं, जबकि शेष बंद नलकूपों को दुरुस्त कराने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के तहत 1, 772 स्वीकृत आवेदनों के विरुद्ध 1, 204 किसानों के दावों को स्वीकृति दी जा चुकी है।पशुपालन विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 3, 23, 200 पशुओं का एफएमडी टीकाकरण किया गया है तथा 6, 34, 000 पशुओं की इयर टैगिंग पूरी कर ली गई है। वहीं, मत्स्य विभाग के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 18.61 टीएमटी मछली उत्पादन दर्ज किया गया है।बैठक के अंत में जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, किसानों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन करने तथा कृषि संबंधी सेवाओं की नियमित निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर उर्वरक, सिंचाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। लंबित डिजिटल क्रांप सर्वे को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने, फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति बढ़ाने तथा बाढ़ प्रभावित किसानों को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।बैठक में उप विकास आयुक्त श्री आकाश चौधरी, जिला कृषि पदाधिकारी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित कृषि, सहकारिता, लघु सिंचाई, विद्युत एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवती पर एसीड फेकने के मामले में अभियुक्त गिरफ्तार



मिलकर आवश्यक जानकारी प्राप्त किए। घटनास्थल पर कैम्प कर रहे SDPO सदर-01 एवं नगर थाना का 482/26, दिनांक-13.10.2026, निर्देश दिये। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 के नेतृत्व में नगर थाना की पुलिस टीम द्वारा मामले का शीघ्र उपभेदन करते हुए आरोपी गौतम झा को गिरफ्तारी

किया गया। विधि-सम्मत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। दर्ज कांड सं० :नगर थाना कांड सं०-482/26, दिनांक-13.10.2026, धारा-124 वी०एन०एस० गिरफ्तार अभियुक्त का नाम / पता :-गीतम झा, उम्र -30 वर्ष, पे०-श्री निदेश झा, सा०- रामपुर जलालपुर, थाना -दलसिंहराय, जिला-समस्तीपुर

संक्षिप्त खबरें

विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन की

मतगणना को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी

ने नया खेल भवन का किया निरीक्षण

संवाददाता
दरभंगा। बिहार विधान परिषद स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन की मतगणना को लेकर आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी दरभंगा श्री कौशल कुमार द्वारा नया खेल भवन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतगणना से संबंधित तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने मतगणना स्थल पर उपलब्ध स्थान, मतगणना कक्ष, आवश्यक आधारभूत सुविधाओं, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा मतगणना प्रक्रिया के सुचारु संचालन के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से प्राप्त की।

जिला पदाधिकारी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देशित किया कि मतगणना कार्य के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप समय से पूर्ण कर ली जाएं। मतगणना स्थल पर कर्मियों एवं संबंधित व्यक्तियों के प्रवेश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश कुमार, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग सहित संबंधित पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

दानापुर मंडल में शोक कचरा उत्पन्नकर्ता इकाइयों की

पहचान कर, पंजीकरण की प्रक्रिया पर विशेष जोर

संवाददाता
पटना: 01.10.2026 से 15.10.2026 तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा एवं 02.10.2026 से 31.10.2026 तक चलने वाले विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत तथा पर्यावरण संरक्षण एवं रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने के उद्देश्य से दानापुर मंडल द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रावधानों के अनुपालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत मंडल के अधीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, कार्यशालाओं, अस्पतालों एवं बड़ी रेलवे कॉलोनियों में थोक कचरा उत्पन्नकर्ताओं की पहचान एवं पात्र इकाइयों के पंजीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। रेलवे परिसरों में यात्रियों, कर्मचारियों एवं आवासीय गतिविधियों से उत्पन्न ठोस अपशिष्ट का उचित प्रबंधन पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस संबंध में सभी संबंधित इकाइयों को अपने परिसर में अपशिष्ट उत्पादन की स्थिति का आकलन करने तथा लागू नियमों के अंतर्गत अपनी पात्रता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

20 अक्टूबर तक विशेष वाहन जाँच अभियान

संवाददाता
दरभंगा। परिवहन विभाग, बिहार, पटना के निर्देशानुसार राज्यभर में 20 अक्टूबर तक विशेष वाहन जाँच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मोटर वाहन अधिनियम, 1988 (संशोधित 2019) के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक वैध कागजात नहीं रखने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जुमाना लगाया जा रहा है। जिला परिवहन पदाधिकारी दरभंगा द्वारा बताया गया 5 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक जिला परिवहन कार्यालय, दरभंगा द्वारा विभिन्न धाराओं के अंतर्गत कुल 681 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 51, 95, 091 (इक्यावन लाख पचाबेन हजार इक्यावन रुपये) की शमन राशि के रूप में जुमाना लगाया गया है। जिला परिवहन कार्यालय, दरभंगा द्वारा सभी वाहन स्वामियों से अपील की जाती है कि वे अपने वाहनों के सभी आवश्यक कागजात अद्यतन एवं वैध रखें तथा यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। वाहन जाँच अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन कराना है।

राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में पटना प्रमंडल

ने अंडर-14 बालक वर्ग का खिताब जीता

संवाददाता
दरभंगा। खेल विभाग पटना, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन, दरभंगा के संयुक्त तत्वावधान में नेहरू स्टेडियम, लहेरियासराय में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडलीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत हैंडबॉल प्रतियोगिता के तीसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में पटना प्रमंडल ने मगध प्रमंडल को 14-9 से पराजित कर चौथिन बनने का गौरव हासिल किया। अंडर-19 बालक वर्ग के पहले सेमीफाइनल में मगध प्रमंडल ने मुंगेर प्रमंडल को रोमांचक मुकाबले में 17-16 से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में पटना प्रमंडल ने दरभंगा प्रमंडल को 19-12 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले से पूर्व जिला खेल पदाधिकारी श्री चंदन कुमार ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के चौथे एवं अंतिम दिन अंडर-17 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला एकलव्य दरभंगा और मगध प्रमंडल के बीच, जबकी अंडर-19 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला मगध और पटना प्रमंडल के बीच खेला जाएगा। मंच संचालन उत्कृष्टित उच्च माध्यमिक विद्यालय, हैडक्वार्टर, बिरौल के शिक्षक केशव कुमार चौधरी ने किया। उनकी ओजस्वी वाणी, शानदार कमेंट्री और प्रेरणादायक शब्दों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। प्रतियोगिता में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से चयनकर्ता अमित कुमार जायसवाल एवं शाहिद नवीद हसन उपस्थित रहे।

संयोजन में संतोष कुमार वर्मा, श्याम सुंदर, अमन कुमार, आनंद राय, अखिलेश कुमार सिंह, सुमन कुमारी, खुशबू कुमारी एवं तुन गुरुंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिक्षक कुमार अनुराग, राजेश कुमार, देवेंद्रन झा, काल्यायनी दुबे, राकेश कुमार, सोनी कुमारी एवं राजन पासवान सहित अन्य शिक्षकों ने सहयोग किया। खिलाड़ियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के चिकित्सा टीम में डॉ. बुजेश कुमार, डॉ. बैद्यनाथ प्रसाद, राजेंद्र कुमार, एएनएम रानी कुमारी एवं धियंका कुमारी उपस्थित रहें।

बिहार विधान परिषद दरभंगा स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन

को लेकर मतदान पदाधिकारी का प्रशिक्षण आयोजित

संवाददाता
दरभंगा। बिहार विधान परिषद के दरभंगा स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन को शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रेक्षागृह, दरभंगा में द्वितीय मतदान पदाधिकारी एवं तृतीय मतदान पदाधिकारी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान कर्मियों एवं पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

मतदान पदाधिकारियों को सामान्य निर्वाचन प्रक्रिया, मतपेटिका के समुचित संचालन, मतदान के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक प्रक्रियाओं तथा अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रभावी निर्वहन के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया गया। मास्टर ट्रेनरों ने मतदान की प्रत्येक प्रक्रिया का सावधानी पूर्वक अनुपालन करने तथा निराचन से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

छठ महापर्व की थीम पर आधारित फिल्म की शूटिंग का

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया अवलोकन

शूटिंग के मानचित्र पर औरंगाबाद की बनेगी पहचान संस्कृति को मिलेगा प्रोत्साहन

संवाददाता
औरंगाबाद: जिला पदाधिकारी, अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा द्वारा देव प्रखंड में मुंबई से आई फिल्म निर्माण टीम द्वारा छठ महापर्व की थीम पर आधारित फिल्म की शूटिंग का संयुक्त रूप से अवलोकन किया गया। इस दौरान दोनों पदाधिकारियों ने शूटिंग से संबंधित गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में संबंधित पदाधिकारी भी उपस्थित थे। देव धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण से औरंगाबाद जिले का एक महत्वपूर्ण स्थल है। छठ महापर्व से इसकी विशिष्ट पहचान जुड़ी हुई है। ऐसे में देव की धरती पर छठ महापर्व की थीम पर आधारित फिल्म की शूटिंग जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक परंपराओं एवं स्थानीय विशिष्टताओं को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित



करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस प्रकार की फिल्म निर्माण गतिविधियों से देव एवं औरंगाबाद को राष्ट्रीय फिल्म शूटिंग

व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने तथा कला एवं संस्कृति के संवर्धन को प्रोत्साहन मिलेगा।

जिले में फिल्म शूटिंग की संभावनाओं का विस्तार होने से भविष्य में फिल्म निमाताओं एवं निर्देशकों द्वारा औरंगाबाद सहित बिहार के अन्य स्थलों को भी फिल्मोंकन के लिए प्राथमिकता दिए जाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। इससे राज्य की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने के साथ-साथ फिल्म पर्यटन एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों के सृजन की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। जिला प्रशासन, औरंगाबाद द्वारा जिले की कला, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को व्यापक पहचान दिलाने तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जिले की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मानचित्र पर पहचान प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, जिले की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विशेषताओं को

अभिनेता निर्देशक दीप श्रेष्ठ को मिला लार्ड्स टाइटम अचीवमेंट अवॉर्ड 2026



संवाददाता
पटना: 40 सालों के संघर्ष पूर्ण फ़िल्मी सफर में अभिनेता निर्देशक दीप श्रेष्ठ ने अनेकों भोजपुरी फ़िल्मों और म्यूज़िक एल्बम में काम किया ' जो काफी महत्वपूर्ण रहा है ' उनके इसी कार्य को देखते हुए पटना के कॉम्प्लेक्स जेडी मॉल सिनेमा हॉल में इंडियन फिल्म मेकर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित भोजपुरी सिनेमा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से

बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक पटना दीपा विधायक डा. सजीव चौसीया और पी रामचन्द्ररा रेड्डी ने अभिनेता दीप श्रेष्ठ को सम्मानित किया है। उन्हें यह अवार्ड मिला भोजपुरी सिनेमा और भोजपुरी इंडस्ट्री मे 40' सालों के उत्कृष्ट कामों के लिए दिया गया है। इन्होंने भोजपुरी सिनेमा उद्योग को पहचान दिलाई है। इस सम्मान समारोह अभिनेता दीप श्रेष्ठ की sort film, the last note, की भी स्क्रीनिंग हुई। दीप श्रेष्ठ ने कहा बिहार फिल्म इंडस्ट्री और बिहार कला संस्कृति वषों हम सब की मेहनत से धीरे-धीरे बदल रहा है ' इस सम्मान के लिए दर्शकों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करता हू '

आज से 40 साल पहले बिहार फिल्म की शूटिंग के लिए लाइट कैमरा सब लेकर आना पड़ा था 'आज अवार्ड शो हो रहा है, सभी राज्यों के फिल्म मेकर यहाँ आ रहे है'

त्योहारों पर पटना-दिल्ली के बीच दौड़ेगी वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल

16 से 25 नवंबर तक सप्ताह में 3 दिन चलेगी स्पेशल ट्रेन, 16 कोच की होगी सुविधा

संवाददाता
पटना: आगामी त्यौहार के अवसर पर यात्रियों की भीड़ के महेनजर उनकी सुविधा हेतु कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । इसी कड़ी में पटना और नई दिल्ली के बीच 02252/02251 नई दिल्ली-पटना-नई दिल्ली वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस का परिचालन किया जायेगा । इस फेस्टिवल स्पेशल में वंदे भारत के 16 कोच होंगे । गाड़ी सं. 02252 नई दिल्ली-पटना वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस नई दिल्ली से 16 एवं 18 अक्टूबर, 2026 को तथा 21 अक्टूबर से 25 नवंबर, 2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार को परिचालित किया जाएगा । दिल्ली से यह स्पेशल 08.35 बजे खुलकर 10.21 बजे अलीगढ़, 13.30 बजे कानपुर सेंट्रल, 15.45 बजे प्रयागराज, 18.00 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., 19.26 बजे बक्सर एवं 20.10 बजे आरा रुकते हुए उसी दिन 21.30 बजे पटना जं. पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 02251 पटना-नई दिल्ली वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस पटना से 17 एवं 19 अक्टूबर, 2026 को तथा 22 अक्टूबर से 26 नवंबर, 2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार एवं रविवार को परिचालित किया जाएगा । पटना से यह स्पेशल 10.00 बजे खुलकर, 10.38 बजे आरा, 11.25 बजे बक्सर, 13.10 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., 15.35 बजे प्रयागराज, 17.50 बजे कानपुर सेंट्रल एवं 20.53 बजे अलीगढ़ रुकते हुए उसी दिन 23.30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।

दरभंगा बनेगा रेलवे कनेक्टिविटी का हब, रेलवे नेटवर्क के विस्तार

तथा उन्नयन के लिए हो रही ठोस पहल : डा गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा में रेल अधोसंरचना के विस्तार तथा यात्री सुविधाओं के आधुनिकरण की परियोजनाओं की रेलवे स्टैंडिंग कमिटी की बैठक में सांसद ने की समीक्षा

संवाददाता
दरभंगा। दिल्ली स्थित रेल भवन में रेलवे स्टैंडिंग कमेटी की बैठक स्टैंडिंग कमेटी के नव मनीनीत सभापति सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में दरभंगा के भाजपा सांसद सह रेलवे स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डा गोपाल जी ठाकुर ने नव मनीनीत सभापति सुधीर गुप्ता का मिथिला की संस्कृति और परंपरा के अनुसार पाग एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया बैठक में सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र में रेलवे के विस्तार एवं उन्नयन, रेलवे अधोसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं का आधुनिकीकरण, लंबित रेल परियोजनाओं के त्वरित क्रियान्वयन, पीपी मोड़ पर रेलवे आधारित औद्योगिक विकास की संभावनाओं के लिए पहल शुरू करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभापति को दरभंगा में बन रहे सभी आरोबी के निर्माण में तेजी लाने, अमृत भारत योजना के तहत वर्ड्ड क्लास दरभंगा रेलवे स्टेशन, लहेरियासराय तथा सकरी रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्यों में प्रगति लाने जैसे मुद्दों से संबंधित एक पत्र सौंपते हुए ध्यान आकृष्ट कराया। सांसद डा ठाकुर ने रेलवे स्टैंडिंग कमिटी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा तथा रेल



मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र में रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जमकर सराहना करते हुए कहा कि केंद्र में पूर्व की कांग्रेस तथा यूपीए सरकार के द्वारा इस क्षेत्र की सभी प्रमुख योजनाओं की उपेक्षा की गई लेकिन देश में पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए गवन्धन की सरकार बनने के बाद इन योजनाओं को पूरा किया जा रहा है तथा रेलवे नेटवर्क को तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा समस्तीपुर के बीच 624 करोड़ की लागत से 38 किलोमीटर रेल लाइन दोहरिकरण कार्य के पूरा किए जाने पर रेलवे मंत्रालय के प्रति आभार प्रकट करते हुए तथा रेलवे अधिकारियों की धन्यवाद दिया। बैठक में दरभंगा में रेलवे के मौजूद नेटवर्क के विस्तार, फ्लाईओवर, तथा शीशो

संवाददाता

दरभंगा। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पूर्व में ऑन-लाइन आयोजित शोध स्तरीय संस्कृत ओलम्पियाड में प्रतिभागी के रूप में विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के शोधार्थी निशान्त कुमार ने भाग लिया, जिसमें

रेल लाइन की सभी औपचारिकताओं को पूरा किए जाने के लिए एक पत्र के माध्यम से सभापति का ध्यान आकृष्ट करते कहा इस नई रेल लाइन के अस्तित्व में आने से कोशी क्षेत्र से मुजफ्फरपुर तथा पटना जाने वाले रेल यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। सांसद ने रेलवे स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में दरभंगा जिले में एएए-527, एसएफ 88 एवं एसएफ 56 पर स्वीकृत सभी नए आरोबी तथा फूट ओभरब्रिज के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू किए जाने की मांग रखते हुए कहा इससे इन स्थलों पर जिले में दुर्घटना, अनावस्थिक जाम पर रोक लगेगी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में सांसद डा ठाकुर ने 88 साल पूर्व विभक्त मिथिला तथा कोशी के बीच बने कोशी महासेतु का नाम देश के पूर्व पीएम श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर करने सकरी हसनपुर रेल लाइन के निर्माण कार्य में तेजी लाने दरभंगा से नई दिल्ली, मुंबई, कोलकत्ता, अहमदाबाद, हैदराबाद सहित देश के सभी अन्य महानगरों एवं प्रमुख शहरों के लिए नई रेल परिचालन प्रारंभ करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुखर होते हुए कहा इन सभी विषयों के अमल में आने के बाद आने वाले समय में दरभंगा में रेलवे से संबंधित विकास कार्य देश स्तर पर एक उदाहरण साबित होगा।

यूजीसी- नेट/जेआरफ स्तर के तथ्यपरक सी प्रश्न ऑन-लाइन पूछे गये। इस "क्विज" प्रतियोगिता में देश-विदेश से हजारों की संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्विज के प्रश्नों के उत्तर देने का समय निर्धारित था, जिसमें निशान्त ने सबसे कम

पोईवाँ के देवी मंदिर मे दूसरे दिन आरती मे उमड़ी भीड़ माहौल हुआ भक्तिमय



संवाददाता
औरंगाबाद: नवरात्र के दूसरे दिन मंगलवार को पोईवाँ स्थित देवी मंदिर मे श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। शाम को भीड़ को देख माहौल भक्तिमय हो गया। हर तरफ भौं देवी की जयकारी की नारे लगने लगे। मंदिर परिसर के साथ सड़कों पर भक्तों की भीड़ जम गई। शंख ध्वनि और मां की जयकारी से ओबरा गुंज उठा। दूसरे दिन आरती कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे एवं माता की आराधना की। उक्त मौके पूर्व पैक्स

अध्यक्ष समाजसेवी पंकज सिंह, गजेन्द्र सिंह, सत्य प्रकाश धीरू, निरंज सिंह कृष्ण सिंह पुजारी विनय पाटक के साथ सैकड़ों लोगों उपस्थित रहे वहीं उक्त मौके पर श्री सिंह ने बताया कि सदस्यों के द्वारा बेहतर सांझ की व्यवस्था की गई है जो काफी सराहनीय है। कहा कि, मां देवी के प्रति आस्था बढ़ती जा रही है। अधिकारियों ने सभी उपस्थित लोगों से साफ सफाई के प्रति सजग रहकर स्वच्छता अभियान चलाने को आहवान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे।

गंगा देवी महिला महाविद्यालय में आत्महत्या रोकथाम

पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता
पटना। गंगा देवी महिला महाविद्यालय, पटना, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई में 13 अक्टूबर 2026 को साइकैट्रिक डेस्क फाउंडेशन एवं अडठ के सहयोग से आत्महत्या रोकथाम पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विषय "Suicide Prevention: Facilitation: Lifeline—Saving Lives in Cultural Context" है। यह कार्यक्रम तेरह एवं 14 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रेणु कुमारी द्वारा किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि के रूप में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्रशिक्षक के रूप में नेपाल के काठमांडू, विश्वविद्यालय के नेशनल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नरेन्द्र सिंह ठगुना रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की प्रो. कीर्ति उपस्थित रहें। इस अवसर पर मनोविज्ञान विभाग की स्नातकोत्तर विभागाध्यक्ष प्रो. मधु पांडेय तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रणय कुमार गुप्ता भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अबू बक्र ने अपने संबोधन में पीछियां के बीच तनाव सहने की क्षमता और परिस्थितियों से निपटने के तरीकों में अंतर पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान युवा पीढ़ी की चुनौतियों को समझने तथा उन्हें भावनात्मक और सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता रेखांकित की। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा

नियंत्रक प्रो. प्रणय कुमार गुप्ता ने आत्महत्या के सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक कारकों के साथ-साथ जैव-रासायनिक प्रक्रियाओं और उनके प्रभावों पर विस्तार का सार्वजनिक कर रहे हैं। आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण लेने तथा क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग करने से उत्पन्न आर्थिक बोझ भी उनके तनाव को बढ़ा सकता है। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने और समय रहते उनकी समस्याओं को समझने की आवश्यकता पर बल दिया।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अबू बक्र ने अपने संबोधन में पीछियां के बीच तनाव सहने की क्षमता और परिस्थितियों से निपटने के तरीकों में अंतर पर चर्चा की। उन्होंने वर्तमान युवा पीढ़ी की चुनौतियों को समझने तथा उन्हें भावनात्मक और सामाजिक सहयोग उपलब्ध कराने की आवश्यकता रेखांकित की। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रणय कुमार गुप्ता ने आत्महत्या के सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक कारकों के साथ-साथ जैव-रासायनिक प्रक्रियाओं और उनके प्रभावों पर विस्तार का सार्वजनिक कर रहे हैं। आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऋण लेने तथा क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग करने से उत्पन्न आर्थिक बोझ भी उनके तनाव को बढ़ा सकता है। उन्होंने युवाओं में तनाव प्रबंधन और भावनात्मक दृढ़ता विकसित करने के महत्व को रेखांकित किया। वहीं, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की प्रॉक्टर प्रो. कीर्ति ने संयुक्त परिवार व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार के सदस्यों के साथ भावनाओं और समस्याओं को साझा करने से व्यक्ति को आत्मतक सहारा मिलता है। उन्होंने बदलती पारिवारिक संरचना

के बीच संवाद और सहयोग की संस्कृति को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों से आए प्रतिभागियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की। इस दौरान दो सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें आत्महत्या की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन संरक्षण से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। विद्यार्थियों को विषय से संबंधित प्रश्नावलियों भी दी गईं, जिनके माध्यम से आत्महत्या संबंधी संवेदनशील मुद्दों को समझने तथा जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया गया। इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य आत्महत्या की रोकथाम, विभागाध्यक्ष प्रो. मधु पांडेय ने कहा कि दबाव और जोखिमपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने में कठिनाई युवाओं में तनाव बढ़ा सकती है। उन्होंने युवाओं में तनाव प्रबंधन और भावनात्मक दृढ़ता विकसित करने के महत्व को रेखांकित किया। वहीं, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की प्रॉक्टर प्रो. कीर्ति ने संयुक्त परिवार व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार के सदस्यों के साथ भावनाओं और समस्याओं को साझा करने से व्यक्ति को आत्मतक सहारा मिलता है। उन्होंने बदलती पारिवारिक संरचना

कार्यशाला में शिक्षकों और विद्यार्थियों की सहभागिता ने इस गंभीर सामाजिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विषय पर संवाद को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में गंगा देवी महिला महाविद्यालय की डॉ. बिधु बाला ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दरभंगा मेडिकल कॉलेज में डाडिया नाइट की धूम, प्रो.

डॉ. शीला साहू ने छात्रों के साथ साझा किए उत्सव के रंग

संवाददाता
दरभंगा। दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) परिसर विगत रात्रि रंग-बिरंगी रोशनी, पारंपरिक परिधानों, संगीत और उत्साह से सरोबोर हो उठा, जब टीम डिप्रैटर्स द्वारा "डीएमसी डिप्रैटर्स डाडिया नाइट 4.0" का आयोजन किया गया। शाम 7 बजे से मध्यरात्रि तक चले इस सांस्कृतिक आयोजन में मेडिकल कॉलेज के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर की विशेष आकर्षण रहें प्रो. डॉ. शीला साहू, जो दरभंगा मेडिकल कॉलेज में फिजियोलॉजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष तथा दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल की पूर्व अधीक्षिका रह चुकी हैं। उन्होंने युवा छात्र-छात्राओं के साथ डाडिया नृत्य में भाग लेकर न केवल कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, बल्कि विद्यार्थियों का उत्साह भी दोगुना कर दिया। विद्यार्थियों ने उनके साथ पारंपरिक डाडिया की ताल पर कदम मिलाया और इस आत्मीय क्षण का भरपूर आनंद लिया। छात्र छात्राओं ने पारंपरिक एवं आधुनिक गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। रंग-बिरंगे परिधानों, डाडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों और उत्साहपूर्ण वातावरण ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया। विद्यार्थियों के बीच आपसी सीहार्द, टीम भावना और सांस्कृतिक समन्वय की सुंदर झलक देखने को मिली।

आयोजन के आयोजकों ने बताया "डीएमसी डिप्रैटर्स डाडिया नाइट 4.0" का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के व्यस्त वातावरण के बीच विद्यार्थियों में आपसी संवाद, एकता और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देना भी है। टीम डिप्रैटर्स ने कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रो. डॉ. शीला साहू सहित सभी शिक्षकों, छात्र छात्राओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और सहभागिता से यह आयोजन सभी प्रतिभागियों के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बन गया। इस अवसर ने यह संदेश दिया की चिकित्सा शिक्षा की कठोर दिनचर्या के बीच ऐसे सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच आत्मीय संबंधों को सुदृढ़ करने तथा संस्थान में सकारात्मक, पारिवारिक वातावरण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समय लेकर बिहार में सांवाधिक 86 अंक प्राप्त किया। ऐसी कठिन प्रतियोगिता में निशान्त कुमार ने न केवल बिहार में सर्वप्रथम स्थान लाकर विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग का, अणितु सम्पूर्ण ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, सम्पूर्ण मिथिलांचल एवं बिहार राज्य को भी गौरवाचित किया है।

संपादकीय

पेयजल के बिना कैसे पूरा होगा विकसित भारत का सपना

होर्मुज और फारस की खाड़ी में जहाजों के हमले जारी

पश्चिम एशिया फारस की खाड़ी और काला सागर क्षेत्रों में जारी संघर्षों में अब तक 16 भारतीय नाविकों की जान चली गई है। दुखद बात यह है कि युद्ध अमेरिका-ईरान और रूस-यूक्रेन में चल रहा है और भारत के बेटे मारे जा रहे हैं। पश्चिम एशिया और फारस की खाड़ी क्षेत्रों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई जबकि 5 अन्य भारतीय नाविक काला सागर में मारे गए। भारत सरकार होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र से 4232 भारतीय नाविकों को सुरक्षित स्वदेश वापस ला चुकी है। इसी वर्ष 28 फरवरी को अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज और फारस की खाड़ी में जहाजों के हमले जारी हैं। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर हमले शुरू कर भारत की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। सऊदी अरब के रियाद एयरपोर्ट पर शनिवार को हुए हूती विद्रोहियों के हमले में एक भारतीय की मौत हो गई जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। इस हमले में 13 लोगों की मौत हुई। घायलों में भी 12 लोग भारतीय बताए जाते हैं। जिस भारतीय नागरिक की मौत हुई है वह हैदराबाद का रहने वाला है। हूती विद्रोहियों के सऊदी ठिकानों पर हमले जारी हैं। सऊदी अरब में 26 लाख भारतीय काम करते हैं और भारत की अर्थव्यवस्था में इनका अहम योगदान है।

भारतीय सऊदी अरब की प्रगति में अपना योगदान तो दे रही रहे हैं बल्कि अपनी कमाई को भारत भेजने में भी सबसे आगे हैं। लगभग एक करोड़ भारतीयों ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और अन्य खाड़ी देशों को अपना घर बनाया हुआ है। भारतीय दूतावास घायल हुए भारतीयों की देखरेख कर रहा है। अगर सऊदी अरब में हमले बेकाबू होते हैं तो भारतीय हितों पर सीधा असर पड़ेगा। यह क्षेत्र भारत के लिए विदेश में रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है। खाड़ी देशों में भारतीय इसलिए रुख करते हैं कि वहां बेहतर कमाई की संभावनाएं बहुत ज्यादा हैं। यह देश भारत के नजदीक भी है। जबकि अपने देश में घरेलू स्तर पर रोजगार के अवसर काफी सीमित हैं। सऊदी अरब के क्राऊन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अपने देश को रेल का कमाई से निकाल कर दुनिया का बड़ा निवेश और पर्यटन केंद्र बनाना चाहते हैं लेकिन जिस यमन युद्ध से वह 11 साल से निकलने की कोशिश कर रहे थे उसी ने उन्हें फिर घेर लिया है। पिछले साल यमन को लेकर सऊदी अरब और यूरप् (संयुक्त अरब अमीरात) के बीच साझेदारी टूट गई थी। सऊदी अरब अपने सहयोगी देशों की मदद से हूतियों के खिलाफ अभियान चला रहा था लेकिन युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता साफ नहीं हुआ।

यमन पर किसका और किस तरह का शासन होना चाहिए इस मुद्दे पर सऊदी अरब और यूरप् में टकराव हुआ और यूरप् ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने वाले अपने सैनिक वापस बुला लिए। इससे हूतियों को मजबूत होने का मौका मिला। सऊदी अरब को उम्मीद थी कि जरूरत पड़ने पर अमेरिकी संपदा सैन्य मदद करेगा लेकिन ट्रंप ने भी सऊदी का कोई साथ नहीं दिया। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि सऊदी अरब इतना बेवस क्यों है। यमन मध्य-पूर्व का एक छोटा-सा गरीब देश है। इसके खिलाफ अरब के अमीर देश सालों से युद्ध कर रहे हैं। यमन के खिलाफ सऊदी अरब इस युद्ध का नेतृत्व कर रहा है।

सऊदी के पास यमन में उसके दुश्मनों की तुलना में ज्यादा बेहतर हथियार हैं, लेकिन हैरान करने वाली बात है कि वो इस युद्ध को जीतने के बजाय लगातार उलझता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों है? सऊदी के पास पैसे की कमी नहीं है, अत्याधुनिक हथियार हैं फिर भी उसकी सेना यमन से युद्ध क्यों नहीं जीत पा रही है? सऊदी अरब के लिए बड़ी चुनौती है कि वो तेल के वेशुमार पैसे को आर्मी की ताकत के रूप में तब्दील करे। सऊदी के बारे में कहा जाता है कि वो पैसे से सब कुछ नहीं खरीद सकता। इसलिए यह बात भी कही जाती है कि वो धनवान तो है पर बलवान नहीं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम मजबूत करने की जरूरत

भारत में ट्रेफिक जाम, प्रदूषण और पार्किंग का संकट आज शहरी जीवन की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है। इन सब समस्याओं का कारण यह है कि लोग सार्वजनिक परिवहन सेवा का कम इस्तेमाल करते हैं। हाल ही में दिनों दिन गंभीर होती इस समस्या के संबंध में नेशनल स्ट्रेटिजिक्स ऑफिस की ओर से देश में पहली बार किए गए नेशनल हाउसहोल्ड ट्रेवल सर्वे के परिणाम चौंकाने वाले और चिंता में डालने वाले भी हैं। सर्वे के अनुसार हमारे देश में सिर्फ 15 प्रतिशत लोग ही काम पर आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा का उपयोग करते हैं। बाकी लगभग 50 प्रतिशत कार या दुपहिया वाहन का उपयोग करते हैं और शेष 35 फीसदी पैरल या साइकिल से चलते हैं। इस असंतुलन के कारण हमारे शहर ट्रेफिक जाम, प्रदूषण और पार्किंग के गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। जमीनी संचाल्य किसी से छिपी नहीं है। आज देश में महानगरों से लेकर छोटे शहर ट्रेफिक और पार्किंग संकट की लाइलाज बीमारी से जूझ रहे हैं। हर साल वाहनों की तेरा गति से बढ़ती रफ्तार हमारे शहरों को ट्रेफिक की समस्या से तो रूबरू करा ही रही है, बढ़ता प्रदूषण भी बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रहा है।

इकोनॉमिक सर्वे 2025–26 के अनुसार, देश के सिर्फ चार प्रमुख महानगरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में ट्रेफिक जाम की वजह से हर साल लगभग 1.47 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है, जिसमें लोगों का कीमती समय, ईंधन की बयादी और उत्पादकता में गिरावट शामिल है। इकोनॉमिक सर्वे 2026 में कहा गया है कि परिवहन शहरों की रक्त धारा, रीढ़ और मांसपेशियां हैं, जो लोगों, वस्तुओं और विचारों के प्रवाह को आगे बढ़ाता है। अगर यह तंत्र कमजोर होता है तो ट्रेफिक जाम, प्रदूषण और उत्पादकता में गिरावट शहरों की निर्यात बन जाते हैं। एक और अध्ययन बताता है कि देश के प्रमुख चार मेट्रो शहर जाम की वजह से सालाना अरबों डॉलर गंवा रहे हैं। अगर इस अनुमान को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाए तो आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि इससे देश की आर्थिक वृद्धि दर किस हद तक प्रभावित हो रही है। इस समस्या की जड़ में एक बड़ी वजह है- निजी गाड़ियों पर बढ़ती निर्भरता। भारत की तुलना में अधिक समृद्ध जैसे ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, हॉलैंड, स्पेन, इटली, जापान और सिंगापुर इस मामले में हमसे बहुत आगे हैं।

इन देशों में 90 फीसदी से अधिक लोग काम पर जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण कोरिया के सियोल में भी कभी ऐसी ही स्थिति थी, लेकिन उसने सड़कें बढ़ाने के बजाय बस-मेट्रो नेटवर्क मजबूत किया और 6-लेन एक्सप्रेस वे तक हटा दिया। लगभग 60 लाख की आबादी वाला सिंगापुर, भारतीय शहरों में बेहतर आवागमन का आकलन करने के लिए एक अच्छा पैमाना है। यह समृद्ध द्वीप-देश शहरीकरण की सफलता को यात्रा के समय में कमी (यानी क्या कोई यात्री अभी की तुलना में तेजी से एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सकता है) के आधार पर मापता है। टेक्नोलॉजी पर ध्यान देने वाले सिंगापुर का लक्ष्य है कि 2030 तक पीक-आवर (सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाले समय) में 75 फीसदी यातायात पब्लिक ट्रांसपोर्ट से हो और 2040 तक यात्रा का अधिकतम समय 45 मिनट हो जाए, जो अभी 60 मिनट है। सिंगापुर सरकार की नीतियां निजी कार रखने को हतोत्साहित करती हैं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देती हैं और पैदल चलने व साइकिल चलाने के लिए अच्छी सुविधाएं देकर उस तक पहुंच बेहतर बनाती हैं। बस और मेट्रो रेल का इस्तेमाल करने वालों को अलग-अलग तरह के ट्रांसपोर्ट को मिलाकर यात्रा करने पर कम किराया देना पड़ता है।

ऐसे में सहज ही यह सवाल पूछा जा सकता है कि जब दुनिया के तमाम देश मेट्रो बस अथवा अन्य साधनों का इस्तेमाल करते हैं तो हम क्यों नहीं? क्या हमारी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है अथवा हमें अपने देशों का इस्तेमाल करना अधिक सुविधाजनक लगता है। कारण एक नहीं होना हैं। दूसरे देशों की तुलना में 145 करोड़ जनसंख्या वाले हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है। वहीं, जिस गति से देश में वाहनों की संख्या बढ़ रही है, वह भविष्य की तस्वीर को लेकर चिंता पैदा करने वाली है। इससे निपटने के ठोस उपाय अभी तलाशने पड़ेंगे। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने वर्ष 2022 में एक सर्वे के माध्यम से यह पता लगाया है कि लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस्तेमाल से परहेज क्यों करते हैं। सर्वे में पता लगा कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट की अविश्वसनीय सेवा, लंबे समय इंतजार, यात्रा में देरी, बसों और बस स्टॉप में भीड़ लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से दूर रखती है। ये सर्वे 46 शहरों में रहने वाले 2 लाख से ज्यादा लोग पर किया गया। इनमें से 64 फीसदी लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाओं पर भरोसा नहीं था। वहीं, 68 फीसदी लोगों ने कहा कि बसों और बस स्टॉप पर भीड़ भाड़ रहती है। सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि शहरों में सार्वजनिक परिवहन के लिए बस सेवाओं और मेट्रो नेटवर्क को मजबूत बनाया जाए। दूसरा उपाय स्कूलों, दुकानों और सरकारी-निजी कार्यालयों के समय भी शिफ्टों में किए जा सकते हैं। इससे सुबह और शाम के समय लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम को एक चंटे तक संबोधित करते हुए कहा कि जब तक भारत विकसित नहीं होता, तब तक न थकूंगा, न रुकूंगा। इस नारे का 19 बार जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक हर हालत में विकसित देश बनाना है। निश्चित तौर पर भारत को विकसित देश बनना ही चाहिए। सवाल यह है कि क्या तब तक भारत के करोड़ों लोग प्यासे रहेंगे। उन्हें पर्याप्त और शुद्ध पानी के लिए क्या भारत के विकसित होने तक इंतजार करना पड़ेगा। क्या देश के लोगों की प्यास और दूषित पेयजल से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को तब तक के लिए रोक जा सकता है।

विकसित भारत का सपना देखने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन इससे पहले केंद्र और राज्यों की सरकारों का यह खुलासा करना चाहिए कि देश के लोगों को गुणवत्तायुक्त पर्याप्त पीने का पानी कब तक उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए देश की राष्ट्रीय नीति क्या है। इस मुद्दे पर कोई बोलने को तैयार नहीं है। इस बारे में चर्चा करते ही देश के विकास और विकसित भारत के सपने पर सवालिया निशान लग जाते हैं। देश के सत्तारूढ़ दलों और विपक्षी दलों के नेता ऐसे जमीनी जरूरतों के मुद्दों से मुंह चुराते हैं। पेयजल जैसी समस्याओं से निपटने के लिए सरकारों के पास दूरदृष्टि और योजनाएं नहीं हैं। यदि लगातार एक या दो बार देश में मानसून मेहरबान न हो तो देश में पीने के पानी का हाहाकार मचने लगता है।

देश में पेयजल संकट अभी से गहराने लगा, जबकि अभी मानसून की विदाई हुई है। महाराष्ट्र में राज्य सरकार ने 16 अक्टूबर से सभी शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों में कम से कम 10 प्रतिशत जल कटौती लागू करने का निर्णय लिया है। राज्य के जालान जिले में बांध में केवल 2 प्रतिशत पानी बचा है। नीबूखंड जिला में आ गई है कि प्रशासन को पानी की चोरी ठीकने के लिए पुलिस और राज्यत्व विभाग की टीमों के साथ रात में भी निगरानी और गश्त करनी पड़ रही है। इस बार मानसून में बारिश की करीब 12—13 प्रतिशत की कमी के कारण देश के दूसरे राज्यों की हालत भी महाराष्ट्र जैसी होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

देश के कई राज्यों में कम बारिश का असर अब जलाशयों पर दिख रहा है। 1 अक्टूबर तक देश के प्रमुख जलाशयों में 71.84% पानी था। पिछले साल इसी समय यह 90.31% था, जबकि सामान्य स्तर 81.79% है। अर्थात इस बार जलाशयों में पानी पिछले साल के

विकसित भारत का सपना देखने में कोई बुराई नहीं है। लेकिन इससे पहले केंद्र और राज्यों की सरकारों का यह खुलासा करना चाहिए कि देश के लोगों को गुणवत्तायुक्त पर्याप्त पीने का पानी कब तक उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए देश की राष्ट्रीय नीति क्या है। इस मुद्दे पर कोई बोलने को तैयार नहीं है। इस बारे में चर्चा करते ही देश के विकास और विकसित भारत के सपने पर सवालिया निशान लग जाते हैं



मुकाबले काफी कम है। देशभर में इस बार का मानसून 13वां सबसे सूखा सीजन रहा। पिछले 11 सालों में यह सबसे कम बारिश वाला मानसून रहा है। हालांकि, सीजन खत्म होने से पहले हुई तेज बारिश के कारण बारिश की कमी में 2.5% का सुधार हुआ। मानसून-2026 सीजन सामान्य से 12.6% कम बारिश के साथ खत्म हुआ। देश के 43% जिलों में 20 से 72% तक कम बारिश हुई। सबसे ज्यादा पंजाब में 41% कम बारिश हुई। राजस्थान में करीब 22% कमी दर्ज की गई। इनके अलावा 9 राज्यों में भी औसत से कम बारिश हुई। पूर्वी भारत में ओडिशा में सामान्य से 30% ज्यादा बारिश हुई, जबकि बारिश के लिए प्रसिद्ध पूर्वीतर राज्यों में इस साल 1901 के बाद सबसे कम बारिश दर्ज की गई। पानी की कमी का असर महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश,

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी सिद्धा‍न, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए



हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश की रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने प्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होता चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया।

वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस को विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी राय रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यह माध्यम आक्रामक सूचनाओं, अफूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी

अतिरिक्त उद्योगों के संचालन में भी जल का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। बिड़बाना यह है कि न तो उद्योग एवं कृषि क्षेत्र की अपनी आवश्यकता भर पानी उपलब्ध हो पा रहा है और न ही आम आदमी को। हमारे देश में जल संकट जब-तब गंभीर रूप ले लेता है। बात चाहे कावेरी जल विवाद के कारण तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच की तनातनी की हो अथवा यमुना जल के बंटवारे को लेकर दिल्ली एवं हरियाणा के बीच की, ऐसे विवाद लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब तो जल बंटवारे को लेकर राजनीति भी होने लगी है और एक प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत के लोगों के समक्ष खड़ा करने में संकोच नहीं किया जा रहा है। इन दिनों होंगंकाल पेयजल परियोजना को लेकर तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच यही हो रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार देश के 60 करोड़ लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं जबकि 16 करोड़ लोग गंदा पानी पी रहे हैं। शुद्ध पानी के लिए सरकार करोड़ों-अरबों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। देश के करीब 9 राज्यों में पानी की गुणवत्ता खराब है। नीति आयोग की कंपोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में पानी की वजह से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो रही है। साल 2030 तक ये स्थिति और विकराल हो जाएगी जब देश की लगभग 40 फीसदी आबादी के सामने पानी का संकट होगा। विकसित भारत के 2047 के लक्ष्य तक देश में पेयजल की हालत का तो आकलन ही नहीं किया गया है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के वैश्विक स्तर पर कुल पानी की सालाना निकासी या खपत के मामले में भारत पहले पादा‍न नंबर-1 पर है।

अत्यधिक आबादी और कृषि (सिंचाई) के कारण सबसे आगे है। वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में से 120वाँ स्थान पर है। सुरक्षित पेयजल और जल गुणवत्ता के मामले में भारत की गिनती दुनिया के सबसे निचले स्तर के देशों में होती है। पेयजल से लेकर जल संरक्षण की योजनाओं पर अत्यंत स्थिलता बरती जा रही है। दो वर्ष पूर्व आम बजट में ऐसी योजनाओं के लिए पैमाना प्रावधान किए गए थे, लेकिन इस बजट में वे सिर से गावब बूँ हैं। देश को विकसित राष्ट्र बनाने में जल संसाधन का उतना ही महत्व है जितना ऊर्जा और अन्य साधनों का। जब तक ऐसी बुनियादी सुविधाओं का समाधान नहीं होगा, तब तक विकसित राष्ट्र का सपना एक छलावा ही साबित होगा।

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी सिद्धा‍न, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए

आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। प्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएँ, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रशिक्षण सुझाव प्रस्तुत किए जाएँ, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की सार्थकता तब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।

जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार को किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की रक्षा करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता। अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है।

किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिए-क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक हैं। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वहीं इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा संवैधानिक मर्यादों के समन्वय में खोजा जाए।

महिला और दलित कार्यकर्ताओं की शिकायतों को निष्पक्षता से सुनना है। यदि किसी नेता के प्रभाव के कारण शिकायत दबती है, तो संगठन के भीतर बराबरी और सम्मान के दावों पर सवाल उठेंगे। और यदि जांच के पहले ही किसी को दोषी ठहरा दिया जाता है, तो निष्पक्ष प्रक्रिया पर सवाल खड़े होंगे। साथ ही अजय राय की नाराजगी का एक पहले समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस के रिश्तों में भी जुड़ा बताया जा रहा है। पार्टी के भीतर ऐसी चर्चा है कि अखिलेश यादव के साथ बेहतर बातलेन बैठाने की कयावद में प्रदेश नेतृत्व बदलने का फैसला लिया गया। अजय राय के समाजवादी पार्टी के साथ रिश्ते सहज नहीं रहे, जबकि प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा को गठबंधन के लिहाज से अपेक्षाकृत सुविधाजनक माना जाता है। इसके अलावा,

समाचार को दिल्ली में राहुल गांधी के आह्वान जांच समिति बनाई है। इसकी कमान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी को दी गई है। समिति में अभिषेक दत्त, अब्दुल हनान, रवि वर्मा और शमीना शफीक भी शामिल हैं। देशवा जाये तो यहां कांग्रेस नेतृत्व के सामने दोहरी चुनौती है। एक तरफ पार्टी को नेताओं के बीच अनुशासन कायम करना है, दूसरी तरफ

बदलाव का यह फैसला पुराने नेतृत्व और उसके समर्थकों के बीच सहज रूप से स्वीकार नहीं हुआ। अजय राय की नाराजगी की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि उन्हें हटाने के तरीके से वह असहज थे। उन्हें हटाने का नजरअंदाज किया गया। देखा जाये तो यूपी की राजनीति में पद केवल लक्ष्य के आगे लगने वाला तमना नहीं होता। उसके साथ समर्थकों की फौज, टिकट की दवादेदारी, संगठन पर पकड़ और भविष्य की सिखायी संभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। ऐसे में प्रदेश और अख्यक्ष की कुर्सी से उतरना किसी नेता के लिए महज जिम्मेदारी बदलना नहीं, अपने प्रभाव का हिसाब-किताब भी होता है। यही वजह है कि अब चर्चा चल रही है कि कांग्रेस उद्दे गुजराने जैसे किसी दूसरे राज्य में संगठनात्मक जिम्मेदारी देकर मनाने को कोशिश कर सकती है। दूसरी तरफ भाजपा में वापसी की संभावना भी सिखायी गलितारों में तैर रही है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस 1996 से 2009 तक भाजपा में रहे और उसके कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाकर आराधना मिश्रा 'मोना' को जिम्मेदारी सौंप दी गई। नई व्यवस्था में इमरान मरहूद को भी काकागिरी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। मगर संगठन में

उत्तर प्रदेश की राजनीति में कब कौन किस पाले में चला जाए, इसकी गारंटी न दिल्ली दे सकती है, न लखनऊ का कोई सिपायी पंडित। अब कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को लेकर भी यही सवाल उठने लगा है कि क्या वह एक बार फिर भाजपा का दामन थाम सकता है? सवाल उठ रहा है कि जिस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी में बार-बार चुनौती दी, क्या वही नेता अब कांग्रेस में अपनी सिपायी जीतने के साथ समर्थकों की फौज, टिकट की दवादेदारी, संगठन पर पकड़ और भविष्य की सिखायी संभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। ऐसे में प्रदेश और अख्यक्ष की कुर्सी से उतरना किसी नेता के लिए महज जिम्मेदारी बदलना नहीं, अपने प्रभाव का हिसाब-किताब भी होता है। यही वजह है कि अब चर्चा चल रही है कि कांग्रेस उद्दे गुजराने जैसे किसी दूसरे राज्य में संगठनात्मक जिम्मेदारी देकर मनाने को कोशिश कर सकती है। दूसरी तरफ भाजपा में वापसी की संभावना भी सिपायी गलितारों में तैर रही है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस 1996 से 2009 तक भाजपा में रहे और उसके कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाकर आराधना मिश्रा 'मोना' को जिम्मेदारी सौंप दी गई। नई व्यवस्था में इमरान मरहूद को भी काकागिरी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। मगर संगठन में

महिला और दलित कार्यकर्ताओं की शिकायतों को निष्पक्षता से सुनना है। यदि किसी नेता के प्रभाव के कारण शिकायत दबती है, तो संगठन के भीतर बराबरी और सम्मान के दावों पर सवाल उठेंगे। और यदि जांच के पहले ही किसी को दोषी ठहरा दिया जाता है, तो निष्पक्ष प्रक्रिया पर सवाल खड़े होंगे। साथ ही अजय राय की नाराजगी का एक पहले समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस के रिश्तों में भी जुड़ा बताया जा रहा है। पार्टी के भीतर ऐसी चर्चा है कि अखिलेश यादव के साथ बेहतर बातलेन बैठाने की कयावद में प्रदेश नेतृत्व बदलने का फैसला लिया गया। अजय राय के समाजवादी पार्टी के साथ रिश्ते सहज नहीं रहे, जबकि प्रमोद तिवारी और आराधना मिश्रा को गठबंधन के लिहाज से अपेक्षाकृत सुविधाजनक माना जाता है। इसके अलावा,

संक्षिप्त खबरें

तीनों समाजों की आर्टिजन विकास समितियों

के सदस्यों को मंत्री का दर्जा देने की मांग

संवाददाता
रोसड़ा/समस्तीपुर। रौनियार, धुनिया और दर्जी समाज की आर्टिजन विकास समितियों के सदस्यों को मंत्री का दर्जा देने की मांग तेज हो गई है। इसको लेकर रौनियार जागरण मंच की ओर से पहल की गई है। मंच के प्रतिनिधि ने बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से मुलाकात कर मांग से संबंधित दस्तावेज सौंप और तीनों समाजों की समितियों के सभी सदस्यों को मंत्री का दर्जा देने की मांग उठाई।

प्रतिनिधि ने उपमुख्यमंत्री से कहा कि इन समितियों का गठन संबंधित समाजों के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। ऐसे में समितियों के सदस्यों को उचित सम्मान और प्रभावी भूमिका मिलनी चाहिए, ताकि वे अपने-अपने समाज के विकास के लिए बेहतर ढंग से काम कर सकें।

मांग पत्र सौंप जाने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रतिनिधि को आश्वासन दिया कि वह इस विषय पर मुख्यमंत्री से बातचीत करेंगे। वहीं, रौनियार जागरण मंच ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इस मांग पर सकारात्मक विचार करेगी और तीनों समाजों की आर्टिजन विकास समितियों के सदस्यों को उचित सम्मान देने की दिशा में आवश्यक पहल करेगी। अब मुख्यमंत्री के साथ प्रस्तावित बातचीत और सरकार के अगले कदम पर संबंधित समाजों की नजर टिकी है।

हसनपुर में दिनदहाड़े लड़की से पर्स छिनतई, ग्रामीणों ने एक युवक को पकड़ पुलिस को सौंपा

संवाददाता
हसनपुर (समस्तीपुर)। हसनपुर थाना क्षेत्र के सकरपुरा स्थित भठगामा में होली मिशन स्कूल के निकट दिनदहाड़े एक लड़की से पर्स छिनतई की घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि दो युवक लड़की के हाथ से पर्स छीनकर भागने लगे। लड़की के शोर मचाने पर आसपास मौजूद राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने पकड़े गए युवक की पिटाई कर दी।

इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। पकड़ा गया युवक रामपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर युवक के नशे की हालत में होने और सूखे नशे का सेवन करने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना में शामिल दूसरे युवक की तलाश, पर्स की बरामदगी और मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल, पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

विद्यालय अवधि में कोचिंग चलाने

वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई: बीईओ

संवाददाता
मझौला प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हाफिजुल रहमान ने प्रखंड क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों के संचालकों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय अवधि के दौरान कोचिंग का संचालन करते हुए पकड़े जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए प्रखंड क्षेत्र में छात्रमारी अभियान भी शुरू कर दिया गया है। बीईओ ने बताया कि विद्यालय के समय में कोचिंग संस्थानों के संचालन से सरकारी विद्यालयों में पठन-पाठन प्रभावित हो रहा है। इसके कारण कई छात्र-छात्राएं विद्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के शिक्षकों और अभिभावकों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ कोचिंग संचालक विद्यालय अवधि में ही अपने संस्थानों का संचालन कर रहे हैं। इससे बच्चों की विद्यालय में उपस्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बीईओ ने सभी कोचिंग संचालकों को निर्धारित नियमों का पालन करने की हिदायत दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में नियमित पठन-पाठन सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए विभाग गंभीर है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चर्चित मैथिली गायिका ज्योति प्रिया के स्वर में रिलीज हुआ 'झिझिया'

संवाददाता
सहरसा: मैथिली म्यूजिक इंडस्ट्री में इन दिनों भगवती गीतों का बोलबाला है। आजकल सभी गायक-गायिकाएं एक के बाद एक गए गाने ला रहे हैं। इसी कड़ी में मैथिली की सुप्रसिद्ध गायिका ज्योति प्रिया के स्वर में नया 'झिझिया गीत' रिलीज हुआ है। जो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता दिख रहा है। मिथिला की संस्कृति और लोक आस्था से जुड़े इस गीत को लोक लोगों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। ज्ञात हो कि निमार्ता रंजीत प्रसाद के सहयोग से गायिका ज्योति प्रिया के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुए इस झिझिया गीत को मैथिली के ख्यातिलब्ध लेखक एवं गीतकार अक्षय आनंद सन्नी ने लिखा है, वहीं विशाल बाबू झा ने इसका संगीत तैयार किया है। मिथिला में दुर्गा पूजा और झिझिया का अनयोन्माश्रय संबंध रहा है। दशमी में यहां की महिलाएं छिद्रयुक्त पड़े में दीप जलाकर झिझिया बनाती हैं और उसे तिर पर रखकर टोला-मोहल्ला में घूम-घूमकर नृत्य कराती हैं। मान्यता है कि झिझिया लोगों को बुरी शक्तियों से बचाती है। अतः मिथिला के इस लोकनृत्य में लोक आस्था और संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है।

दिपावली से पहले जिला के सभी स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त करने का निर्देश

संवाददाता
बेगुसराय: दीपावली से पहले जिले में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी, बेगुसराय श्री रविच पाण्डेय की अध्यक्षता में सभी सोलर स्ट्रीट लाइट एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में स्थापित सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थिति, रखरखाव एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला पदाधिकारी ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को सभी खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत दीपावली से पहले सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 31, 030 सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरुद्ध अब तक 30, 910 लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं। शेष 120 लाइटों को भी शीघ्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया। सीएमएस पोर्टल की समीक्षा में 72 घंटे से अधिक समय से खराब 49 स्ट्रीट लाइटें दर्ज पाई गईं, जबकि 1, 628 लाइटों में सिमनल लॉस की समस्या सामने आई। इस पर जिला पदाधिकारी ने संबंधित एजेंसियों को सभी खराब लाइटों की मरम्मत निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित करने तथा सिमनल लॉस की समस्या का भी त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि खराब स्ट्रीट लाइटों की निवारित 72 घंटे की समय-सीमा में मरम्मत नहीं किए जाने पर संबंधित एजेंसी की मेंटेनेंस राशि से प्रति खराब लाइट प्रतिदिन 10 रुपये की दर से कटौती की जाएगी। उन्होंने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे स्ट्रीट लाइटों के नियमित रखरखाव, तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं सुचारु संचालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

जनता ही परिवार है : कर्तव्य से आगे बढ़कर अपनापन निभा रहे ठकराहा थाना प्रभारी अभिलाष कुमार

अपराध के विरुद्ध सख्ती, शराबबंदी पर जीरो टॉलरेंस और जनता के बीच विश्वास का मजबूत रिश्ता

संवाददाता
ठकराहा। जब कोई पुलिस अधिकारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ आम जनता को अपना परिवार समझकर उनके सुरक्षा और समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी मानने लगे, तब पुलिस और जनता के बीच केवल कानून का रिश्ता नहीं, बल्कि विश्वास और अपनत्व का संबंध बनता है। ठकराहा थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी अभिलाष कुमार की कार्यशैली इसी भरोसे की मिसाल बनती नजर आ रही है।करीब 80 से 90 हजार की आबादी वाला ठकराहा थाना क्षेत्र भौगोलिक और प्रशासनिक दृष्टि से काफी चुनौतीपूर्ण है। थाना क्षेत्र की तीन दिशाओं से उत्तर प्रदेश की सीमा लगती है। ऐसे में बिहार में लागू पुरुष शराबबंदी को प्रभावी ढंग से लागू कराना पुलिस के लिए आसान चुनौती नहीं है।

उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे इलाकों में शराब की उपलब्धता के बावजूद ठकराहा थाना क्षेत्र में शराबबंदी को प्रभावी बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी अभिलाष कुमार और उनकी टीम लगातार सक्रिय नजर आती हैं।छत्तके दिन शराब कारोबार और शराब के सेवन से जुड़े मामलों में कार्रवाई कर आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। लगातार हो रही कार्रवाई का असर क्षेत्र के माहौल पर भी दिखाई दे रहा है। शराब के खिलाफ सख्ती और नियमित पुलिस गश्ती से क्षेत्र में अमन-चैन और शांति का माहौल बनाए रखने



में पुलिस को सफलता मिल रही है। दिन हो या रात, पुलिस टीम सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रखती है। नियमित गश्ती, सदिग्ध गतिविधियों पर नजर, समय-समय पर फ्लैग मार्च तथा आम लोगों के साथ संवाद ने पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत किया है। ठकराहा बाजार और राजेंद्र चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे पुलिस की तीसरी आंख की भूमिका निभा रहे हैं। इससे सदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ किसी भी घटना की स्थिति में पुलिस

चिल्ड्रन स्कूल एसोसिएशन की आम सभा आयोजित

► परीक्षा नियंत्रक बने आलोक कुमार झा ► नव निर्वाचित समिति सदस्य का हुआ भव्य स्वागत



संवाददाता
सहरसा: शहर के सुपर मार्केट स्थित प्रमंडलीय पुस्तकालय में मंगलवार को चिल्ड्रन स्कूल एसोसिएशन की आम सभा बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान पूर्व में बने नए कमेट्री सदस्यों का भव्य स्वागत किया गया। वहीं परीक्षा नियंत्रक के रूप में सर्वसम्मति से आलोक कुमार झा का चयन किया गया। इस अवसर पर संगठन के उपाध्यक्ष सह कार्यकारी अध्यक्ष इंजीनियर नरेंद्र कुमार ने बताया कि चिल्ड्रन स्कूल एसोसिएशन के द्वारा निजी विद्यालय के 12 से 13 हजार बच्चों के बीच मेधा प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। जिसमें संगठन के सभी सदस्य स्कूल की छात्र एवं छात्राएं सम्मिलित होते हैं। जिनमें प्रथम द्वितीय एवं

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर प्रस्तुत किया जाता है। साथ ही प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है।

उन्होंने कहा कि संगठन के द्वारा सर्वसम्मति से चुने गए नई कमेट्री सदस्यों का भव्य स्वागत किया गया।इसविषय रमेश कुमार ने बताया कि योग्य एवं अनुभवी परीक्षा संयोजक के चयन से स्वच्छ पारदर्शी एवं कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। वे एक अच्छे प्रशासक हैं। इस अवसर पर संयुक्त सचिव विष्णु देव कुमार, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार, परीक्षा नियंत्रक आलोक कुमार झा, पूर्व प्रमंडलीय अध्यक्ष रामसुंदर साहा, पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज मनोहर, पूर्व परीक्षा नियंत्रक अनिल कुमार सहित सभी स्कूलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पूर्व सांसद ने सिंह कोठी में जिले का गौरव

स्वर्ण पदक विजेता सूरज को किया सम्मानित

संवाददाता

औरंगाबाद : भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने अपने आवासीय कार्यालय 'सिंह कोठी' पर जिले एवं लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत देव प्रखंड के ग्राम रियासत पर्वई निवासी सूरज कुमार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित डब्लूआरपी फैडरेशन वर्ल्ड कप पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीतने पर अंगवस्त्र देकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूर्व सांसद ने कहा कि सूरज कुमार ने अपनी शानदार उपलब्धति से देश और औरंगाबाद जिले का नाम रोशन किया है।उनकी यह सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।क्वटिन परिराम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। 19 से 11 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में 67.5 किलोग्राम भार वर्ग के अंतर्गत सूरज कुमार ने कुल 560 किलोग्राम वजन उठाकर फुल पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया।इसके अलावा उन्होंने बेंच प्रेस में 127.5 किलोग्राम, स्क्वाट में 205 किलोग्राम और डेडलिफ्ट में 227.5 किलोग्राम वजन उठाकर तीन अन्य स्वर्ण पदक भी अपने नाम किए।

इस प्रकार उन्होंने प्रतियोगिता में कुल चार स्वर्ण पदक जीतकर जिले की गौरवान्वित किया है। सूरज कुमार की इस शानदार उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता पर जिले के जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं, खेल प्रेमियों और गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य



की कामना की।

इस अवसर पर बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील सिंह, कोच सुवेदनरंजन, पूर्व सांसद प्रतिनिधि अश्विनी सिंह, देव के पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक, सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता आदित्य शेखर, युवा भाजपा नेता प्रवीर सिंह, शुभेन्द्र शेखर, रवि सिंह, महेंद्र भगत, भाजपा जिलामंत्री सुबोध सिंह, भाजपा नेता पप्पू सिंह, अलोक सिंह, दीपक सिंह, धीरज पांडेय, पूर्व मुखिया विनय मिश्रा, रविन्द्र शर्मा, अशोक सिंह, जिला मीडिया प्रभारी भितेन्द्र सिंह सहित अनेक समाजसेवी, बुद्धिजीवी एवं शिक्षाविदों ने सूरज कुमार को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की।

ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का हुआ संयुक्त मासिक

निरीक्षण सुरक्षा एवं रख-रखाव पर हुई समीक्षा



संवाददाता
औरंगाबाद: जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी अमलेशा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री उपेंद्रनाथ वर्मा द्वारा प्रखंड परिसर स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का संयुक्त रूप से मासिक निरीक्षण किया गया। विदित हो कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार प्रत्येक

माह ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का नियमित निरीक्षण किया जाना अनिवार्य है। इसी क्रम में अधिकारियों द्वारा वेयरहाउस में सुरक्षित रखे गए ईवीएम एवं वीवीपैट के रख-रखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा संबंधित अभिलेखों की गहन जाँच की गई।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों की निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों एवं दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, ईवीएम/वीवीपैट के सुरक्षित रख-रखाव तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुपालन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी मो गजाली सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संवाददाता

तेघड़ा बेगुसराय: दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को अनुमंडल सभागार, तेघड़ा में शांति समिति की पुनः बैठक आयोजित की गई। अनुमंडल पदाधिकारी नीरज कुमार सिन्हा एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कृष्ण कुमार की उपस्थिति में आयोजित बैठक में अनुमंडल क्षेत्र की विभिन्न दुर्गा पूजा आयोजन समितियों के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, भौद निर्यंत्रण, पूजा पंडालों की व्यवस्था तथा प्रतिमा विसर्जन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

इससे पूर्व भी दुर्गा पूजा के महेनजर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। पर्व की तैयारियों की समीक्षा करने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को पुनः बैठक कर पूजा समितियों एवं जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में पूजा पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, आवश्यक स्थानों पर

समस्तीपुर में 254 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ भोजपुर

का युवक गिरफ्तार, कीमत करीब 3 लाख रुपये



संवाददाता
समस्तीपुर। समस्तीपुर शहर के चीनी मिल चौक के पास नगर थाना पुलिस ने 254 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये है। गिरफ्तार युवक की पहचान भोजपुर जिले के मुफरिसल थाना क्षेत्र अंतर्गत दुमारा गांव निवासी मुन्ना सिंह के पुत्र शिवम कुमार सिंह के रूप में हुई है। नगर थाना के सदर डीएसपी-1 सतीश सुमन के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भोजपुर जिले से एक युवक ब्राउन शुगर लेकर समस्तीपुर पहुंचा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चीनी मिल चौक के पास एक दुकान के नजदीक छापेमारी की। इस दौरान सदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर उसके बैग की तलाशी ली गई, जिसमें पॉली पैक में रखा 254 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में युवक ने समस्तीपुर में इसकी डिलीवरी देने आने की बात बताई। पुलिस का आशंका है कि इस कारोबार से जुड़े लोग ब्राउन शुगर को छोटी-छोटी पुष्टियों में बेचते हैं। शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचने वाले युवाओं तक इसकी आपूर्ति किए जाने की आशंका भी जताई गई है। समस्तीपुर और आसपास के इलाकों में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आने के बीच इस कार्रवाई को अहम माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में स्थानीय नेटवर्क और अन्य संभावित सल्लिस लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

दुर्गा पूजा को लेकर तेघड़ा में प्रशासन अलर्ट CCTV से होगी निगरानी; विसर्जन और पंडालों की व्यवस्था पर विशेष जोर



सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया गया। पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, प्रवेश एवं निकास की समुचित व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा, बिजली के तारों एवं अस्थायी विद्युत कनेक्शन की सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बरतने तथा किसी भी अग्रिय स्थिति से निपटने के लिए सजग रहने पर बल दिया गया।प्रतिमा विसर्जन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्ग एवं प्रशासन द्वारा तय व्यवस्था का पालन करने, जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखने, यातायात व्यवस्था में अनावश्यक बाधा

पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। पूजा समितियां पंडालों में सीसीटीवी कैमरे, अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा तथा भीड़ नियंत्रण से संबंधित व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दें। प्रतिमा विसर्जन के दौरान निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किया जाए। सभी पूजा समितियां एवं जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि पर्व के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनी रहे। किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधि की सूचना किसी भी सदिग्ध गतिविधि को दृढ़ता, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने भी पर्व के दौरान सतर्कता एवं अनुशासन बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा पुलिस-प्रशासन के निर्देशों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। बैठक में उपस्थित पूजा समितियों एवं जनप्रतिनिधियों से दुर्गा पूजा को आपसी सद्भाव, सहयोग एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की अपील की गई।

मुस्लिम समुदाय ने दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित पूजा पंडाल में आरस्ती में शामिल होकर ग्रहण किया प्रसाद

संवाददाता
औरंगाबाद : शहर में हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए मंगलवार को मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने महावीर क्लब दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों को सम्मानित किया। पैगाम ईंसानियत के जिलाध्यक्ष मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान के नेतृत्व में समिति के सदस्यों को पगड़ी पहनाकर, मां दुर्गा की प्रतिमा और गुलाब का फूल भेंट किया गया। इस पहल के माध्यम से दोनों समुदायों के बीच आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता का संदेश दिया गया। सल्लू खान ने कहा कि औरंगाबाद शहर हमेशा से शांति और सौहार्द का प्रतीक रहा है। यहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग एक-दूसरे के धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आपसी भाईचारे की भावना



से ही समाज के सभी लोग सुरक्षित और खुशहाल रह सकते हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की कि ऐसा कोई कार्य नहीं करें, जिससे समाज या जिले की छवि खराब हो। उन्होंने कहा कि सच्चा मुसलमान वही है, जिसके हाथ और जुवान से किसी को तकलीफ नहीं पहुंचे।

उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के अवसर पर मुस्लिम समुदाय सहयोग हमेशा बना रहेगा। नवरात्र के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग पूजा पंडाल में पहुंचकर कार्यक्रमों

में शामिल होते हैं। मंगलवार की शाम भी समुदाय के सदस्य महावीर क्लब को पगड़ी पहनाकर, मां दुर्गा की आरस्ती में शामिल हुए। इसके बाद प्रसाद भी ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता और मजबूत होती है। इस दौरान महावीर क्लब के अध्यक्ष कपिल कुमार सिंह, सदस्य प्रेम तिवारी, नीरज कुमार, सोनू सिंह, सतीश कुमार, सुश्री सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने देव स्थित पूजा पंडाल एवं विसर्जन स्थल का किया संयुक्त निरीक्षण सुरक्षा एवं स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए निर्देश

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से देव स्थित पूजा पंडाल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पूजा पंडाल में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित तैयारियों का लिया जायज। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पूजा पंडाल एवं उसके आसपास नियमित रूप से आसपास सुनिश्चित की जाए। साथ ही, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक



सुरक्षा प्रबंधों को सुदृढ़ रखा जाए, ताकि पूजा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या अग्रिय घटना की आशंका न रहे। इसके पश्चात जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा रानी तालाब स्थित प्रतिमा

विसर्जन स्थल का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान विसर्जन के लिए की जा रही तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक विसर्जन स्थल पर जा कर गहराई

के दौरान स्वच्छता, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जा रही तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक विसर्जन स्थल पर जा कर गहराई

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में राजद की सदस्यता ग्रहण की : एजाज अहमद संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष सत्येंद्र गौड़ की प्रेरणा से आज आदिवासी समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में राजद की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सदस्यता लेने वालों में विमलेश गौड़, प्रेम गौड़, छट्टी लाल गौड़ सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों ने राजद की सदस्यता ग्रहण की, इनके अलावा विमलेश पाठक, राम नरेश राय ने भी अपने समर्थकों के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। राजद नेता एजाज अहमद ने बताया कि प्रदेश प्रधान महासचिव श्री रणविजय साहू ने राजद की सदस्यता रसीद देकर आदिवासी समाज के नेताओं के साथ उनके समर्थकों को राजद की सदस्यता ग्रहण करवाई। और सभी को पार्टी का प्रतीक चिन्ह हरा गमछा और लालु जी के संघर्ष और योगदान पर लिखी गई गोपालगंज टू रावसीना पुस्तक देकर सभी को सम्मानित किया । इस अवसर पर राजद नेता श्री संजय यादव, श्री निर्भय कुमार अबैडकर, भाई अरुण कुमार, गणेश कुमार यादव सहित अन्य गणमान्य नेता उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री रणविजय साहू ने कहा कि लालु जी के विचार और तेजस्वी जी के कार्यों से प्रभावित होकर गरीब, शोषित, वंचित एवं आदिवासी लगातार राजद की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। समाजिक न्याय की धारा को सरजमीन पर उतार कर राजद ने हर वर्गों को मान सम्मान दिया है।

अब पटना को बाढ़ंपास करते हुए, नेउरा-दनियावां-बिहारशरीफ-बखीबा-शेखपुरा-किउल के रास्ते किया जा सकेगा मालगाड़ियों संवाददाता

पटना: रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा 08.10.2026 को दानापुर मॉडल के 20 किमी लंबे नेउरा-जटडुमरी नई लाइन का सफरतापूर्वक निरीक्षण एवं 120 किमी/घंटा की गति से स्पीड ट्रायल किया गया था । यह रेलखंड नेउरा-दनियावां नई रेल लाईन परियोजना का एक भाग है । निरीक्षण के उपरांत रेल संरक्षा आयुक्त ने संरक्षा तथा सुरक्षा मानकों को पूरा करते हुए नेउरा-जटडुमरी रेलखंड पर परिचालन शुरू करने के लिए ट्रेनों के परिचालन की स्वीकृति प्रदान की गयी है । 42 किलोमीटर लंबे नेउरा-दनियावां नई रेल लाईन परियोजना के तहत पहले चरण में 22.74 किमी लंबे जट डुमरी से दनियावां तक का कार्य पूरा होने के उपरांत उस पर ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। परियोजना के दूसरे चरण में शेष 20 किलोमीटर लंबे जट डमुरी से नेउरा तक कार्य पूर्ण होने के उपरांत 08.10.2026 को सीआरएस निरीक्षण किया गया था । नेउरा-दनियावां नई रेल लाईन परियोजना के पूर्ण हो जाने से अब पटना को बाढ़ंपास करते हुए नेउरा-दनियावां-बिहारशरीफ-बखीबा-शेखपुरा-किउल के रास्ते मालगाड़ियों का परिचालन किया जा सकेगा । इससे दानापुर-पटना-किउल-झाझा मुख्य लाइन पर अतिरिक्त दवाब समाप्त होगा तथा नई पैसंजर ट्रेनों के परिचालन के लिए रुक उपलब्ध हो सकेगा ।

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं से कराया अवगत संवाददाता

पटना: पूर्व मध्य रेल प्रशासन रेलकर्मियों के कल्याण एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों की विभागीय समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गार्ग ने मुख्यालय, हाजीपुर में 02 रेलकर्मियों/उनके आश्रित से मुलाकात की। इस दौरान रेलकर्मियों/उनके आश्रित ने अपनी विभिन्न विभागीय समस्याओं एवं कठिनाइयों से महाप्रबंधक को अवगत कराया। महाप्रबंधक ने प्रत्येक रेलकर्मी एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को सुना और प्राप्त शिकायत के संबंध में अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित विभागों को प्राप्त मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायतों का प्रभावी निषादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रेलकर्मियों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस पहल का उद्देश्य रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों को अपनी समस्याएं सीधे महाप्रबंधक के समक्ष रखने का अवसर प्रदान करना तथा उनका समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है।

आहर-पईन के अतिक्रमण पर ग्रामीणों ने दिया प्रतिवेदन संवाददाता

दनियावां (पटना)। प्रखंड के तोप गांव के ग्रामीणों ने पार नदी खंडा के करीब 15 एकड़ खेती योग्य भूमि पर सिंचाई के परंपरागत स्रोत पईन के अतिक्रमण को हटाने के लिए अंचलाधिकारी को प्रतिवेदन सौंपा है। 50 से ज्यादा हस्ताक्षर युक्त आवेदन में खाता 182, खसरा 1087 जिसकी लंबाई करीब 55 डिसमिल रकबे को अतिक्रमण मुक्त कर इसकी उड़ाही की मांग की गई है। पईन में कुछ दवांग किस्म के लोगों ने इसे भरकर खेतनुमा रचना बना दिया है, जिसके कारण इयमें बरसाती भूतही नदी की शाखा डेटलकी नदी का जल प्रवाह नहीं पहुंच पाता है। ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी और लघु जल सिंचाई विभाग के अधिकारियों से उक्त पईन की समुचित उड़ाही कर इसे अतिक्रमण मुक्त करने की मांग की है।

उधर सरयुआ का 1970 के दशक से ही अपने जलस्रोत के प्रवाह के कारण प्रसिद्ध सोता पईन भी अतिक्रमण के कारण संकुचित हो गया है। भूतही नदी जो वरसाती नदी लोकाईन की उपशाखा है वह भी 2010 के बाद अबतक उड़ाही न होने से गद और सिल्ट से भर गई है।खरभैया पैक्स अध्यक्ष मुन्ना कुमार, कृषि सुधार समिति के सदस्य नागेन्द्र प्रसाद, सतीश महतो, गणतंत्र रिवरंजन, जदयू मार्गदर्शक मंडल के उपाध्यक्ष सुनील कुमार व अन्य ने इन पारंपरिक जलस्रोत के संरक्षण की मांग लघु जल संंधान विभाग के अधिकारियों से की है।

बिजली चोरी में तीन उपभोक्ताओं पर प्राथमिकी, 94 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना संवाददाता

डुमरिया गया: मैगरा थाना क्षेत्र में बिजली चोरी के मामले में मंगलवार को तीन उपभोक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। बिजली विभाग के कनीय अभियंता प्रदीप कुमार साह ने यह कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि मैगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत वालीचक गांव निवासी मनोज कुमार को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते पाया गया। उन पर पूर्व के बकाये सहित 39, 104 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, पचमह गांव के कसियाडीह टोला निवासी बरती देवी पर 37, 198 रुपये तथा कसियाडीह निवासी सुरेंद्र कुमार पर 18, 562 रुपये का जुमाना लगाया गया है। तीनों उपभोक्ताओं पर कुल 94, 864 रुपये का जुमाना लगाया गया है।

जिला नियोजनालय, नालंदा द्वारा आयोजित जॉब कैम्प में 30 युवाओं का चयन संवाददाता

बिहारशरीफ, नालंदा। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के निदेशानुसार बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज दिनांक 13 अक्टूबर 2026 को जिला नियोजनालय, नालंदा के तत्वावधान में संयुक्त श्रम भवन, प्रखंड परिसर, बिहारशरीफ में एक दिवसीय जॉब कैम्प का आयोजन किया गया। इस जॉब कैम्प में निजी क्षेत्र की नियोजक कंपनी Technma AI Innovation Pvt. Ltd. ने भाग लिया।

प्रादेशिक खबरें

शिक्षा के विस्तार और युवाओं को अवसर देने में बिहार

ने देश में मिसाल कायम की : विजय कुमार चौधरी

► **आपका एक-एक बहुमूल्य मत बिहार को विकसित और समृद्ध बनाने के संकल्प को मजबूती देगा : निशांत**
► **यह चुनाव एनडीए के विकास आधारित शिक्षा मॉडल बनाम राजद के चरवाहा विद्यालय मॉडल का है : उमेश सिंह कुशवाहा**
► **पटना स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से दोनों एनडीए प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करे : श्रवण कुमार**
► **नवादा एवं नालंदा में एनडीए की चुनावी सभा, दोनों प्रत्याशियों के समर्थन में एनडीए नेताओं ने किया जीत का शंखनाद**

संवाददाता
पटना। बिहार विधान परिषद् चुनाव के मद्देनजर मंगलवार को नवादा एवं नालंदा में पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी श्री नीरज कुमार एवं पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी श्री नवल किशोर यादव के समर्थन में एनडीए की भव्य चुनावी सभाओं का आयोजन किया गया। इस दौरान बिहार के मा0 उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, मा0 स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत, जद (यू) के मा0 प्रदेश अध्यक्ष श्री उमेश सिंह कुशवाहा, मा0 मंत्री एवं जद (यू) विधायक दल के नेता श्री श्रवण कुमार, बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी, मा0 मंत्री श्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता एवं मा0 मंत्री श्री दीपक प्रकाश, मा0 सांसद श्री कौशलेंद्र कुमार तथा लोजपा (रामविलास) के सांसद श्री अरुण भारती, राष्ट्रीय महासचिव ई. सुनील, पूर्व सांसद श्री अरुण कुमार सहित कई मा0 विधायकगण, विधान पार्षदगण एवं एनडीए के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने मतदाताओं से आगामी 23 अक्टूबर को पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से श्री नीरज कुमार एवं पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से श्री नवल किशोर यादव के पक्ष में प्रथम वरीयता का मत देकर दोनों प्रत्याशियों को ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने की अपील की। इस मौके पर श्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि शिक्षक और स्नातक समाज के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। समाज को दिशा देने और राह के निर्माण में इन दोनों वर्गों की अहम भूमिका होती है। ऐसे में इनके प्रतिनिधियों का चुनाव करते समय उनके अनुभव, कार्यक्षमता और अब तक के योगदान को जरूर देखना चाहिए। श्री नीरज कुमार और श्री नवल किशोर यादव लंबे समय से इन वर्गों का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं और अपने कार्यों से स्वयं को साबित भी किया है। इसलिए किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि दोनों प्रत्याशियों को पुनः अपना आशीर्वाद दें और एनडीए की जीत सुनिश्चित करें। श्री चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार के पिछले 20 वर्षों के कार्यकाल पर नजर डालें तो सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा के क्षेत्र में और युवाओं के हित में व्यापक काम हुए हैं। शिक्षा के विस्तार और युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में बिहार में जो काम हुए हैं, वे देश के किसी अन्य राज्य में नहीं हुए हैं। श्री निशांत ने कार्यक्रम को संबोधित करते



हुए एनडीए प्रत्याशी श्री नीरज कुमार एवं श्री नवल किशोर यादव के पक्ष में प्रथम वरीयता का मत देकर उनकी जीत सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदाताओं का एक-एक मत मा० श्री नीतीश कुमार के 20 वर्षों के सुशासन, विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ ही मा0 मुख्यमंत्री श्री समाप्त चौधरी के नेतृत्व में न्याय के साथ विकास की यात्रा को आगे बढ़ाने के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था अत्यंत बदहाल थी और इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं था। लेकिन मा० श्री नीतीश कुमार ने जब बिहार की बागडोर संभाली, तो उनके नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव हुए, जिसका परिणाम है कि राज्य की साक्षरता दर 47.53 प्रतिशत से बढ़कर 79.70 प्रतिशत हो गई है। श्री उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि एक

मरीजों को अस्पताल में मिलेगी दवाओं और डॉक्टरों की इयूटी की जानकारी, डिस्प्ले बोर्ड पर होगा रोस्टर



संवाददाता
शेरघाटी गया: शेरघाटी अनुमंडल अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और मरीजों को इलाज में होने वाली परेशानियों को दूर करने की दिशा में पहल की जाएगी। मंगलवार को अस्पताल के नए उपाधीक्षक डॉ। भारकर ने पदभार ग्रहण करने के बाद व्यवस्था में सुधार को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। तत्कालीन उपाधीक्षक डॉ। उदय कुमार ने निर्लंबन के बाद उन्हें प्रभार सौंपा।

डॉ। भारकर ने कहा कि अस्पताल में इलाज करने आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि अस्पताल में उपलब्ध दवाओं की सूची भी डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी, ताकि मरीजों को दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त करने में परेशानी न हो। नए उपाधीक्षक ने कहा कि अस्पताल में सर्जन, इह्ती रोग विशेषज्ञ समेत विभिन्न विभागों के चिकित्सक उपलब्ध हैं। संबंधित बीमारियों से पीड़ित मरीजों का इलाज सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने अस्पताल की कमियों को दूर कर स्वास्थ्य सेवाओं को व्यवस्थित बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

मैथ गुरुकुल की 12 विद्यार्थियों ने पाई सफलता

संवाददाता
मानपुर गया: शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ रहे मैथ गुरुकुल ने अपने स्थापना के पहले ही वर्ष में शानदार उपलब्धि हासिल की है। संस्थान का एक वर्ष पूरा होने में अभी कुछ दिन शेष हैं, लेकिन इस दौरान यहां से पढ़ाई करने वाले 12 विद्यार्थियों ने भारतीय नौसेना, भारतीय सेना, रेलवे, मद्य निषेध विभाग और एएसएससी जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। संस्थान के निदेशक रौशन कुमार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान के पूरी टीम, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सफलता का वास्तविक मापदंड उसके विद्यार्थियों की प्रगति और उपलब्धियां होती हैं। सीमित संसाधनों और विद्यार्थियों की कम संख्या के बावजूद पहले ही वर्ष में 12 विद्यार्थियों का विभिन्न परीक्षाओं में सफल होना संस्थान के लिए गर्व की बात है। सफल विद्यार्थियों की सूची: 1. कुंदन कुमार — भारतीय नौसेना में अंतिम चयन। 2. राहुल कुमार — भारतीय नौसेना की लिखित, शारीरिक एवं



मेडिकल परीक्षा उत्तीर्ण। 6. मेरिट सूची का इंजीगर। 3. राहुल कुमार—2 — भारतीय सेना लिपिक की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण। 4. रौनक कुमार — रेलवे असिस्टेंट लोको पायलट की प्राथमिक एवं मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण; अंतिम परिणाम प्रतीक्षित। 5. हर्ष राज — रेलवे अग्रिन्टिस के रूप में ज्वाइन किया। 6. राजू कुमार — भारतीय सेना तकनीकी संर्गों की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण। 7. सतीश कुमार — भारतीय सेना की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण। 8. सचिन कुमार — भारतीय सेना की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण। 9. मुस्कान कुमारी — मद्य निषेध विभाग बिहार के आरक्षी की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण। 10. अमित कुमार — मद्य निषेध विभाग बिहार के आरक्षी की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण। 11. संतन कुमार – एएसएससी जीडी की

मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीण एवं सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर सकें। उन्होंने विज्ञास व्यक्त किया कि यदि इसी तरह टीम का सामूहिक प्रयास और विद्यार्थियों की मेहनत जारी रहे, तो आगामी एक वर्ष में संस्थान से सफल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या 100 के पार पहुंचाना का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मैथ गुरुकुल केवल परीक्षा की तैयारी कराने वाला संस्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रयास है। यहां प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता की पहचानकर उसे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया जाता है। संस्थान का उद्देश्य मानपुर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। संस्थान का मानना ​​है कि सही मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर छोटे शहरों एवं गांवों के विद्यार्थी भी बड़ी सफलताएं हासिल कर सकते हैं।

धरना-प्रदर्शन के लिए गर्दनीबाग निर्धारित स्थल

अन्यत्र प्रदर्शन करने पर होगी विधिसम्मत कार्रवाई



संवाददाता
पटना: विभिन्न संगठनों एवं व्यक्तियों द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में बिना पूर्व सूचना अथवा निर्धारित अनुमति के धरना-प्रदर्शन किए जाने के मामले को समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी, पटना एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि धरना-प्रदर्शन के लिए गर्दनीबाग स्थित निर्धारित धरना स्थल का ही उपयोग किया जाए।

निर्धारित स्थल के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं है। जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा, यातायात का सुचारू संचालन तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्धारित स्थल के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर धरना-प्रदर्शन किए जाने से शहर की यातायात व्यवस्था बाधित होती है, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

साथ ही इस तरह की स्थिति में बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों, स्कूली बच्चों तथा एम्बुलेंस सहित अन्य आपातकालीन सेवाओं के निर्बाध आवागमन में गंभीर कठिनाइयां उत्पन्न होती हैं। इससे आवश्यक सेवाओं में विलंब होने के साथ आम नागरिकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित स्थल के अतिरिक्त अन्यत्र धरना-प्रदर्शन करने अथवा बाधित होती है, जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने लिया मगध विवि का जायजा; महिला कॉलेजों के आर्थिक संकट और विवि की समस्याओं को सरकार के समक्ष उठाने का दिया आश्वासन

मगध विवि के विकास को मिलेगी नई रफ्तार: विधानसभा अध्यक्ष ने दिया हर संभव मदद का आश्वासन

संवाददाता
बोधगया: बिहार विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार ने मगध विश्वविद्यालय के आधिकारिक समीक्षा दौर में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा शैक्षणिक सत्रों को नियमित करने और व्यवस्था सुधार की दिशा में किए जा रहे सकारात्मक प्रयासों की सराहना की। कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी एवं कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम् के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक में विश्वविद्यालय के विकास, शैक्षणिक उपलब्धियों और लंबे समय से जारी गंभीर समस्याओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। सभापति ने आश्चर्य किया कि वे विश्वविद्यालय की सभी प्रमुख मांगों और समस्याओं को बिहार विधानसभा तथा राज्य सरकार के शिक्षा मंत्रालय के समक्ष प्रमुखता से रखेंगे। समीक्षा बैठक के दौरान बताया

गया की परीक्षाएं और शैक्षणिक सत्र पूरी तरह से नियमित हो चुके हैं। डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में बड़ी सफलता अर्जित करते हुए मगध विश्वविद्यालय ने डिजिटलिकर पोर्टल के उपयोग में पूरे राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हित में त्वरित निर्णय लेते हुए 567 शिक्षकों के बकाये का भुगतान निश्चित कर दिया गया है। पिछले चार महीनों के दौरान लगभग 300 पेंशन फाइलों का त्वरित निस्तारण किया गया है। साथ ही, अब सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को उनकी सेवानिवृति के ही दिन पीपीओ प्रदान किया जा रहा है।

शैक्षणिक एवं अनुसंधानात्मक प्रगति का उल्लेख करते हुए, जानकारी दी गई कि विश्वविद्यालय में शिक्षकों द्वारा कई पेटेंट, फेलोशिप और नए शोध प्रोजेक्ट हासिल किये गये। हाल ही में 20 से अधिक विद्यार्थियों ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश जी द्वारा

उपलब्ध कराई गई सांसद निधि से विश्वविद्यालय में एक नया विभाग स्थापित किया गया है, जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में बड़ी विधिवत प्रारंभ कर दी गई है। वहीं, स्नातकोत्तर स्तर पर 'स्वयं' पोर्टल का अनुपालन शुरू कर दिया गया है तथा इन्फ्लिबनेट के अंतर्गत राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय जर्नल के नि:शुल्क एक्सेस के लिए वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन सेवा भी बहाल कर दी गई है।

बैठक में विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के समक्ष उत्पन्न आर्थिक और प्रशासनिक संकट की ओर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया। वर्ष 2015 से एएससी-एसटी विद्यार्थियों एवं छात्राओं की फीस माफी के मद में राज्य सरकार द्वारा फंड निर्गत न किए जाने के कारण, महिला कॉलेजों सहित तमाम जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. परम प्रकाश राय, समर्थ पोर्टल नवल डॉ. शाशदा अंसारी, प्रेम जी के निजी सहायक श्री राज पांडेय तथा से स्नातक नामांकन प्रक्रिया में बाईड कोटा एवं खेल कोटा का विकल्प समाप्त कर दिए जाने से हो रही



संवाददाता
डुमरिया गया: राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत गया जिले में मंगलवार को आयुर्विद्या पब्लिक हेल्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला देशी चिकित्सा पदाधिकारी, गया की अध्यक्षता में आमस प्रखंड के मध्य विद्यालय अकौना, मध्य विद्यालय करौनी-मोड़, प्राथमिक विद्यालय सुपुई और प्राथमिक विद्यालय राजपुर में आयुर्विद्या स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दिनचर्या, ऋतुचर्या, रोगों के निदान, संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली, योग और प्राणायाम के महत्व के बारे में विस्तार से

जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को आयुर्वेदिक, होर्योपैथिक एवं यूनानी चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूक करते हेल्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान योग का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सहयोग किया। आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डुमरिया अमरेंद्र कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों के बीच औषधीय पौधों का वितरण किया गया तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और औषधीय पौधों के महत्व का संदेश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

रायपुर में जिम्बाब्वे सीरीज से पहले स्मृति मंधाना

ने बतौर फुल टाइम कप्तान शुरू की तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले T20 इंटरनेशनल मैच से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम की फुल-टाइम कप्तान के तौर पर अपना पहला ट्रेनिंग सेशन किया। हरमनप्रीत कौर के कप्तानी छोड़ने के बाद, टीम इंडिया जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली तीन T20I और वनडे इंटरनेशनल मैचों की सीरीज के साथ 'स्मृति युग' की शुरूआत करेगी। मंधाना, जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दो बार विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जितया है, ने इस साल बड़ी कामयाबी हासिल की है और कई रिकॉर्ड बनाए हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें उनकी बैटिंग प्रैक्टिस और नई लीडरशिप भूमिका में ट्रेनिंग सेशन का झलक दिखाई गई है। मंधाना ने हाल ही में एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जहाँ हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया ने अपना गोल्ड मेडल सफलतापूर्वक बचाया; यह फुल-टाइम कप्तानी संभालने से पहले मंधाना का आखिरी टूर्नामेंट था। फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 147 रनों से हराया, जिसमें मंधाना ने 45 गेंदों में 79 रन बनाकर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए।

उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान दो पारियों में कुल 116 रन बनाए। मंधाना की उपलब्धियों ने महिला क्रिकेट में एक प्रमुख खिलाड़ी के तौर पर उनकी जगह पक्की कर दी है। वह अभी महिला T20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं और महिला क्रिकेटर्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन और शतक बनाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

चाइना ओपन जीतकर ड्रेंग किनवेन कंधे की

चोट के कारण वुहान ओपन से बाहर हुईं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी ड्रेंग किनवेन के लिए वीजिंग में खिताब जीतने के बाद जपन का माहील ज्यादा देर तक नहीं रहा। दो साल बाद अपना पहला महिला टेनिस संघ खिताब जीतने वाली ड्रेंग ने कंधे में चोट और थकान के कारण सोमवार को वुहान ओपन से अपना नाम वापस ले लिया। खास बात यह है कि उन्होंने रविवार को चाइना ओपन का फाइनल जीतने के बाद दर्शकों के सामने गाना गाकर भी जश्न मनाया था। उनके इस अंदाज को दर्शकों ने खुब पसंद किया था। बता दें कि ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुकी ड्रेंग किनवेन के साथ फ्रांस की युवा खिलाड़ी मिर्रा आंद्रेवा ने भी वुहान ओपन से हटने का फैसला किया है। आंद्रेवा फ्रेंच ओपन की विजेता हैं और चाइना ओपन के फाइनल में ड्रेंग से हार गई थीं। रविवार को खेले गए इस मुकाबले में ड्रेंग ने 7–5, 6–4 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। इसके अगले ही दिन दोनों खिलाड़ियों ने वुहान में होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट से हटने की जानकारी दी। ड्रेंग ने महिला टेनिस संघ की ओर से जारी बयान में बताया कि चोट से वापसी करने के बाद पिछले करीब डेढ़ महीने से उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त रहा है। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी ओपन, बिली जीन किंग कप और चाइना ओपन में हिस्सा लिया। लगातार मुकाबलों के कारण उनका शरीर काफी थक गया है। उन्होंने कहा कि वह अगले साल वुहान ओपन में वापसी करना चाहती हैं और तब पूरी तरह फिट होकर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की उम्मीद रखती हैं।

एरलिंग हालैंड के गोल से मैनचेस्टर सिटी

ने एनफील्ड में लिवरपूल को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को उसके घरेलू मैदान पर 3-0 से हराकर अपने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखा है। रविवार, 12 अक्टूबर 2026 को खेले गए मुकाबले में एरलिंग हालैंड, जेरेमी डोकू और रयान चेर्ची ने दूसरे हाफ में गोल करके सिटी को बड़ी जीत दिलाई। इस मुकाबले में लिवरपूल को 62वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब रयान ग्रेवनबर्च को दूसरी बार पीला कार्ड मिलने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही लिवरपूल की टीम मुकाबले में वापसी नहीं कर सकी। मैनचेस्टर सिटी के लिए यह मुकाबला मैदान के बाहर चल रहे विवाद के बीच काफी अहम था। हाल ही में एक स्वतंत्र आयोग ने क्लब को लीग के वित्तीय नियमों के 114 उल्लंघनों का दोषी पाया था। इसके बाद एनफील्ड में मौजूद लिवरपूल के समर्थकों ने सिटी खिलाड़ियों का जोरदार विरोध किया और हूटिंग की। हालांकि, एंजो मारैस्का की टीम ने शुरूआती दबाव का सामना किया और धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। मैच का रुख 62वें मिनट में बदला, जब ग्रेवनबर्च ने डोकू पर काउल किया। इसके लिए उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया और लिवरपूल को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसका फायदा सिटी ने तुरंत उठाया। 65वें मिनट में हालैंड ने बाएं पैर से शानदार शाट गोल करके सिटी की जीत लगभग पक्की कर दी। 78वें मिनट में रयान चेर्ची ने तीसरा गोल करके सिटी की जीत लगभग पक्की कर दी। उन्होंने जोस्को ग्वार्डियोल के साथ तालमेल बनाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया। इसके बाद लिवरपूल के कई समर्थक मैच खाने से पहले ही स्टेडियम से बाहर जाने लगे।

पैरा एशियाई खेल: भारत के 166 एथलीटों

को मिली हरी झंडी, विवादित कोच बाहर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खेल मंत्रालय ने विवादों से घिरी चयन प्रक्रिया के बाद पैरा एशियाई खेलों के लिये 166 खिलाड़ियों को मंजूरी दी है जिसमें विवादित पैरा निशानेबाजी कोच जय प्रकाश नीटियाल को दल से हटा दिया गया है। जापान के आरुची नागोया में 18 अक्टूबर से होने वाले खेलों के लिये नीटियाल की जगह जीवन एल राय को दल में जगह दी गई है। नीटियाल पर चयन के बदले धन की मांग और स्थापित मानदंडों का पालन नहीं करने के आरोप लगाये गए हैं। कई निशानेबाजों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करके उनकी बर्खास्तगी और आरोपों की जांच की मांग की थी। उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया से भी मुलाकात करके अपनी शिकायतें उनके सामने रखीं। इससे पहले पैरा एशियाई दल के विवादें समारोह के दौरान भी उन्होंने प्रदर्शन किया था। 94 टीम अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ और 15 दल स्टाफ के साथ भारत का 275 सदस्यीय दल 10 खेलों में भाग लेगा। इनमें 62 एथलेटिक्स में हैं जिनमें 46 पुरुष शामिल हैं।

विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता दृष्टिबाधित फरराट घाविका सिमरन भी टीम में हैं। उनके पूर्व गाइड उमर सैफ़ी को डॉफिंग के कारण बाहर कर दिया गया। अब उनके नये गाइड शिवम उनके साथ होंगे। साइकिलिस्टों के प्रदर्शन के बावजूद मंत्रालय ने ऐत मौके पर कोई बदलाव नहीं किये हैं और पैरालम्पियन अरशद शेख को ही जगह दी गई है। युक्ति टीम में चयन के दावेदारों में उनका प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ था। भारतीय साइकिलिंग महासंघ और भारतीय पैरालम्पिक समिति ने छह अन्य का चयन किया था लेकिन मानदंडों पर खरे नहीं उतरने के कारण उन्हें शामिल नहीं किया गया। टेबल टेनिस में स्वीकृत नामों में पैरालम्पिक उन्नत पदक विजेता भाविना पटेल शामिल हैं।

क्या क्रिकेट में बदलेंगे रिकॉर्ड दर्ज करने के नियम सुनील गावस्कर ने टी20 और रणजी आंकड़ों पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पूर्व महान कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में रिकॉर्ड्स दर्ज करने और उनके वर्गीकरण के मौजूदा तरीके पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने क्रिकेट गवर्निंग बोर्डी से मांग की है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के स्तर के आधार पर प्रदर्शन का अंतर स्पष्ट करने के लिए फुटबॉल जैसा 'डिवीजन-आधारित सिस्टम' लागू किया जाना चाहिए। गावस्कर का मानना ​​​​है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में बड़ी टीमों और उभरती हुई टीमों के बीच काफी अंतर होता है, इसलिए दोनों तरह के मुकाबलों में बने आंकड़ों को एक ही तराजू में तोलना बिल्कुल भी न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी (विशेषकर प्लेट ग्रुप) के

रिकॉर्ड्स पर भी इसी तरह पुनर्विचार करने की बात कही। खास बात यह है कि गावस्कर की यह टिप्पणी तब आई जब पुरुषों के T20 वर्ल्ड कप सब-रीजनल एशिया क्वालीफायर अ में थाईलैंड के खिलाफ 193 रनों का पीछा करते हुए मंगोलिया की टीम 13 रनों पर आउट हो गई। इसके बाद, गावस्कर ने सवाल उठाया कि क्या ऐसे मैचों की स्थापित अंतरराष्ट्रीय टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों के बराबर आंकड़ों का महत्व दिया जाना चाहिए। गावस्कर ने मिड-डे में अपने कॉलम में लिखा, "वेशक, यह इस प्रारूप में सबसे कम स्कोर नहीं है। यह शर्मनाक रिकॉर्ड आइवरी कोस्ट के नाम है, जो नाइजीरिया के खिलाफ सिर्फ 7 रनों पर आउट हो गई थी। 2024 में मंगोलिया



ने एक और T20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सिंगापुर के खिलाफ केवल 10 रन बनाए थे।' इस महान बल्लेबाज ने माना कि ये मैच अंतरराष्ट्रीय माने जाते हैं क्योंकि टीमें अपने-अपने देशों का

प्रतिनिधित्व करती हैं। हालाँकि, उन्होंने तर्क दिया कि केवल आधिकारिक मान्यता खेल के स्तर में अंतर को ठीक से नहीं समझा सकती। गावस्कर ने आगे कहा, "जब कोई टीम इतने कम स्कोर

शुबमन गिल का ऐतिहासिक रिकॉर्ड 5वां आईसीसी अवॉर्ड जीतकर हेले मैथ्यूज की बराबरी की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के शुभमन गिल और शेफाली वर्मा को सितंबर 2026 के लिए ICC मेन्स और विमेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। भारत के मौजूदा टेस्ट और वनडे कप्तान ने अपनी जीत का रिकॉर्ड बढ़ाकर पांच कर लिया है, जबकि शेफाली की यह सम्मान दूसरी बार मिला है। खास बात यह है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार वनडे सीरीज के बाद गिल को पहचान मिली। 27 साल के इस खिलाड़ी ने दो यादगार पारियां खेलीं; तिरुवनंतपुरम में पहले वनडे में 110 रन बनाकर भारत को आठ विकेट से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने 133 गेंदों पर 223 रन बनाए, जो वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक था। इस मैच में भारत ने 406 रन का लक्ष्य आठ विकेट और 39 गेंदें बाकी रहते हुए हासिल किया। ICC के अनुसार, गिल ने कहा कि अपना पांचवां ICC प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मैं इस सम्मान के लिए पैनल



का आभारी हूं। इतने रन बनाना बहुत संतोषजनक था और घरेलू दर्शकों के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका समर्थन हमेशा हमें अतिरिक्त जोश देता है। उनकी इस नई कामयाबी ने उन्हें वेस्ट इंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज के बराबर ला खड़ा किया है, जिन्होंने भी यह अवॉर्ड पांच बार जीता है। वहीं, गिल को इससे पहले जनवरी और सितंबर 2023, और फिर

फरवरी और जुलाई 2025 में यह सम्मान मिला था। दूसरी ओर, महिला एशिया कप और एशियाई खेलों में भारत की जीत में शेफाली के योगदान की वजह से उन्हें महिलाओं का अवॉर्ड मिला। यह दोहरी जीत पांचवीं बार है जब एक ही नेशनल बोर्ड के खिलाड़ियों ने दोनों महीने के सम्मान जीते हैं। भारतीय क्रिकेटर्स ने यह कारनामा तीन बार किया है – जून 2024 में जसप्रीत बुमराह और

स्मृति मंधाना, और सितंबर 2025 में अभिषेक शर्मा और मंधाना के बाद। शेफाली को पहचान दो मल्टी-टीम टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली। वह महिला एशिया कप में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रही; उन्होंने 184.61 के स्ट्राइक रेट से 360 रन बनाए और छह विकेट भी लिए। एशियन गेम्स में, इस ओपनर ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद शतक लगाया और फिर फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 48 रन बनाए। शेफाली ने कहा, "कठउ प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दोबारा जीतना बहुत बड़े सम्मान की बात है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना योगदान देना बहुत संतोषजनक था, और इस अवॉर्ड को जीतने से वे जीत और भी खास हो जाती हैं।" शेफाली ने इससे पहले पिछले साल नवंबर में नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वर्ल्ड कप फाइनल में मैच जिताऊ प्रदर्शन के बाद यह अवॉर्ड जीता था।

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2027

के टिकटों को लेकर भारी मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को कहा है कि उसे 12 दिन पहले 2027 विश्व कप के टिकटों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू करने के बाद से अब तक 142 देशों से डेढ़ करोड़ से अधिक आवेदन मिले हैं जो इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में वैश्विक रूचि को दर्शाता है। आईसीसी के इस 50 आवेदक के शीर्ष टूर्नामेंट की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से करेंगे और इसका आयोजन दो अक्टूबर से 21 नवंबर तक किया जाएगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, "अब तक टिकटों के लिए एक करोड़ 50 लाख 83 हजार 752 आवेदन मिले हैं जिसके लिए 142 देशों के प्रशंसकों ने 44 लाख 23 हजार 417 पंजीकरण कराए हैं।" टिकटों के लिए पंजीकरण 21 नवंबर 2026 तक कराया जा सकता है जिसके ठीक एक साल बाद जोहानिसबर्ग के वांडरर्स में फाइनल का आयोजन होगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, "टिकटों की भारी मांग क्रिकेट विश्व कप की लोकप्रियता और प्रतिष्ठा, पर्यटन स्थल के रूप में अफ्रीका के आकर्षण तथा टूर्नामेंट के आगाज से पहले आईसीसी और उसके सहायकों की प्रचार गतिविधियों से पैदा हुई उरुसुकता का प्रमाण है।"

हैदराबाद में चौथे टी20 में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत

हैदराबाद, (एजेंसी)। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को यहां चौथे टी20 मैच में इसी लय को बरकरार रखते हुए शानदार जीत के साथ श्रृंखला अपने नाम करना चाहेंगे। भारत इस समय 2 . 1 से आगे है और उसे श्रृंखला अपने नाम करने के लिये वस एक जीत की जरूरत है। वहीं पिछले मैच में करारी हार के बाद वेस्टइंडीज वापसी करके श्रृंखला में बने रहने की कोशिश में होगा। एक बार फिर मैच का रुख दोनों टीमों के "पावर हिटर्स" पर निर्भर करेगा। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज संजु सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है जिससे श्रृंखला में अभी तक भारतीय मध्यक्रम पर अधिक दबाव नहीं बना है। अभिषेक ने इंदौर में तीसरे टी20 में 30 गेंद में 69 रन बनाये जिसमें छह चौके और पांच छक्के शामिल थे। भारत ने 223 रन का स्कोर बनाकर मैच जीता था। भारत के लिये चिंता का एकमात्र कारण शीर्षक्रम के शानदार फॉर्म के कारण मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास नहीं मिल पाया है। शीर्ष



तीन के नाकाम रहने पर तिलक वर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी और नमन धीर को दबदबा रहा। वेस्टइंडीज के हरफनमौला शामार सिंगर ने स्वीकार किया था कि अभिषेक के फॉर्म में होने पर उनकी टीम के पास शतक खेलने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता। उन्होंने कहा था, "प्लान बी यही है कि हम रक्षात्मक खेलने

परियां खेली हालांकि यह मैच वेस्टइंडीज ने जीता। तीसरे मैच में अभिषेक का दबदबा रहा। वेस्टइंडीज के हरफनमौला शामार सिंगर ने स्वीकार किया था कि अभिषेक के फॉर्म में होने पर उनकी टीम के पास शतक खेलने के अलावा कोई चारा नहीं रह जाता। उन्होंने कहा था, "प्लान बी यही है कि हम रक्षात्मक खेलने

क्या क्रिकेट में बदलेंगे रिकॉर्ड दर्ज करने के नियम सुनील गावस्कर ने टी20 और रणजी आंकड़ों पर उठाए गंभीर सवाल

पर आउट हो जाती है, तो गेंदबाज के आँकड़े तभी बेहतर हो सकते हैं जब उभरते हुए ICC एसोसिएट सदस्य देश एक-दूसरे के खिलाफ खेलें। इसकी तुलना उन आँकड़ों से करना, जब पूर्ण सदस्य देशों की टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं, बिल्कुल भी उचित नहीं है।" गावस्कर ने फुटबॉल लीग जैसा मॉडल अपनाने का प्रस्ताव दिया, जहाँ डिवीजन टीमों को अलग करते हैं और प्रमोशन व डिमोशन से स्तरों के बीच आवाजाही तय होती है। 77 साल के गावस्कर ने लिखा, "फुटबॉल लीग में अलग-अलग डिवीजन होते हैं, जहाँ सीजन के आखिर में प्रमोशन और रेगुलेशन होता है। इसलिए जो भी रिकॉर्ड बनते हैं, उन्हें उसी डिवीजन के रिकॉर्ड के तौर पर देखा जाता है जिसमें

वे बने हैं। शायद क्रिकेट में भी कुछ ऐसा ही सोचा जाना चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि देश किस डिवीजन में खेल रहे हैं।" गावस्कर ने नेपाल के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी की नौ-बॉल में T20I हाफ-सेंचुरी के संदर्भ पर भी सवाल उठाए। ऐरी ने 2007 T20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ युवराज सिंह की 12-बॉल वाली हाफ-सेंचुरी का रिकॉर्ड तोड़ा था।

उन्होंने नेपाल की तरक्की का जिक्र किया, जिसमें इस साल की शुरूआत में भारत में हुए T20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को लगभग हराने की उनकी कोशिश भी शामिल थी, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एसोसिएट टीमों के खिलाफ किए गए प्रदर्शन को उसी तरह मापा जाना चाहिए।

अहमदाबाद में पहले ब्रिक्स गेम्स संपन्न, भारत ने योगासन और मलखम्ब का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पहले ब्रिक्स पारंपरिक और देशी नुमाइशी खेल यहां संपन्न हुए जिसमें 10 सदस्य देशों के 160 प्रतिभागियों ने एक दिवसीय आयोजन में अपने देशी खेलों की नुमाइश की और भारत ने योगासन और मलखम्ब का प्रदर्शन किया। चीन ने वुशु (मार्शल आर्ट) , कजाखस्तान ने बोर्ड खेल टोगीजकुमालक और ब्राजील ने जियु जित्सु का प्रदर्शन किया। भारत ने मलखम्ब और योगासन के अलावा कलारीपयट्टु (केरल का प्राचीन मार्शल आर्ट) की भी नुमाइश की।

अहमदाबाद में 2030 राष्ट्रमंडल खेल होने हैं और यह 2036 ओलंपिक की भी दीड़ में है। दक्षिण अफ्रीका के दल प्रमुख फिलासॉई मैकविल ने भारतीय खेल प्राधिकरण सीडिया से कहा, "भारत ने अहमदाबाद में योग उन गतिविधियों में से एक है जिसका इस्तेमाल लीग डिटांकस करने, तनाव कम करने और शरीर की

गतिशीलता व लचीलेपन को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। हमें यह बहुत पसंद है।" चीन की दल प्रमुख यि लियू ने कहा, "हमने आज योग के बारे में काफी कुछ देखा और सीखा। कल अभ्यास के दौरान भी हमने बच्चों को अद्भुत आसन करते देखा। हम इसके बारे में काफी कुछ सीखना चाहते हैं।"

इस तरह के आयोजनों में साथ में भाग लेकर बहुत अच्छा लगता है।" भारत के 50 प्रतिभागियों ने 35में शिरकत की जबकि चीन के इस्तेमाल लीग डिटांकस करने, तनाव कम करने और शरीर की

मोहम्मद शमी ने फिटनेस पर उठ रहे सवालों को नकारा भुवनेश्वर कुमार की वापसी का किया समर्थन



संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत का भी हिस्सा थे। इसके बाद से राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी नहीं हो सकी है। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से उनकी निराशा साफ नजर आई।

इस दौरान शमी ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टीम में वापसी का स्वागत किया। 36 वर्षीय भुवनेश्वर को न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुना गया है। आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें यह मौका

डब्ल्यूपीएल 2027 नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस ने तारा नोरिस को 10 लाख में यूपी वारियर्स से खरीदा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 की नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में बड़ा बदलाव किया है। मुंबई ने अमेरिका की तेज गेंदबाज तारा नॉरिस को यूपी वारियर्स से अपनी टीम में शामिल कर लिया है। यह सौदा पूरी तरह नकद भुगतान के आधार पर हुआ है और इसके लिए मुंबई इंडियंस ने 10 लाख रुपये खर्च किए हैं। यूपी वारियर्स ने भी 2026 के सत्र से पहले तारा को इसी कीमत पर अपनी टीम में शामिल किया था।

तारा नॉरिस महिला प्रीमियर लीग में पहले भी खेल चुकी हैं। उन्होंने 2023 में लीग के पहले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए अपनी अलग पहचान बनाई थी। वह इस प्रतियोगिता में खेलने वाली पहली सहयोगी देश की खिलाड़ी बनी थीं। इसके अलावा, उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट लेकर लीग में



एक पारी में 5 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड भी बनाया था।

तारा ने डब्ल्यूपीएल 2023 में कुल 5 मुकाबले खेले थे। इस दौरान उन्होंने 7 विकेट हासिल किए। उनका गेंदबाजी औसत 26 रहा, जबकि रन देने की दर 4.33 प्रति ओवर थी। उनके प्रदर्शन ने खिलाया था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम चर्चित टीमों से आने वाले खिलाड़ी भी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा साबित कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

यूपी में 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़कर

हुआ 3,500 रुपये, सीएम योगी ने दी मंजूरी
नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को 68 हजार ग्राम प्रहरियों का मानदेय 2,500 रुपये से बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रतिमाह करने को मंगलवार को मंजूरी दी दे दी। इसके अलावा उनके परिवारों के लिए सालाना पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा भी शुरू हो गई। यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम प्रहरियों (गांव के चौकीदारों) के मानदेय में एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की मंजूरी दी है। आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 में ग्राम प्रहरियों को महज 1,500 रुपये मानदेय मिलता था, जिसे वर्ष 2019 में बढ़ाकर 2,500 रुपये किया गया था। उन्होंने कहा कि अब ग्राम प्रहरियों की जिम्मेदारियों के साथ सुविधाएं भी बढ़ाई जा रही हैं।

बरेली की रिजर्व पुलिस लाइन में ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, “‘वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में पर्व-त्योहार आते ही उपद्रव शुरू हो जाते थे। कुछ अराजक तत्वों की हरकतों का खामियाजा 25 करोड़ प्रदेशवासियों को भुगताना पड़ता था।”’ उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ‘डबल इंजन’ सरकार ने प्रदेश के प्रति देश और दुनिया की धारणा बदल दी है। आदित्यनाथ ने कहा कि शहरों में सीसीटीवी कैमरे जिस तरह अपराधियों पर नजर रखते हैं, उसी तरह गांवों में ग्राम प्रहरियों को भी अपनी भूमिका निभानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रहरियों ने अपील की कि वे सदिध गतिविधियों, अपराध और जमीन पर कब्जा करने वालों को चुपका तत्काल पुलिस तक पहुंचाएं।

दुष्यंत गौतम को राज्यपाल बनाने पर देहरादून में कांग्रेस का मौन व्रत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के खुलासे के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच जारी रहने के बीच भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को सफिकाम का राज्यपाल बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को यहां मौन उपवास रखा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता यहां गांधी पार्क में इकट्ठा हुए और गौतम की नियुक्ति को संवैधानिक पद का संरक्षण देकर जांच से बचाने का प्रयास बताते हुए इस कदम का विरोध किया। उन्होंने गौतम को नियुक्ति पर पुनर्विचार की मांग भी की। भाजपा से बेटीयां बचाओ जैसे नारे लिखी तख्तियां हाथों में थामे पार्टी कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की मूर्ति के नीचे धरना दिया और अंकिता को न्याय दिलाने के लिए हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका को जांच में तेजी लाए जाने की मांग की। गोदियाल ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि अंकिता के माता-पिता ने सरकार से इस तथ्य का परीक्षण कराने की मांग की थी कि हत्याकांड में शामिल कथित वीआईपी क्या यही थे। उन्होंने कहा, “इसके बजाय उन्हें राज्यपाल बनाकर सेफ पैसेज (सुरक्षित रास्ता) दे दिया गया जिससे अब उन पर मुकदमा भी न चल सके।” कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनभावनाओं को कुचलकर ऐसे व्यक्ति को राज्यपाल बनवा कर उत्तराखंड के प्रति अपनी भावनाएं प्रदर्शित कर दी हैं। उन्होंने कहा, “इससे हम सब आहत हैं... प्रदेश का पर्यटक नागरिक इसका पुरजोर विरोध करेगा।” उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटी को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेगी और कथित वीआईपी समेत हत्याकांड से जुड़े सभी सवालों का संतोषजनक जवाब मिलने तक चुप नहीं बैठेगी। गोदियाल ने केंद्र और राज्य सरकारों से सीबीआई जांच में तेजी लाकर निष्पक्षता से जांच करने तथा गौतम की राज्यपाल पद पर नियुक्ति पर पुनर्विचार करने की मांग की।

ऋषिकेश के पास वर्न्डा रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता की 18 सितंबर 2022 को रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों –सौरभ भारकर और अंकिता गुप्ता के साथ मिलकर हत्या कर दी थी।

खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल के बाद शहबाज शरीफ ने बनाई 11 सदस्यीय निगरानी समिति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर पख्तूनख्वा में शासन और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए एक समिति गठित की है। यह कदम संघीय सरकार द्वारा प्राप्त में आपातकाल लागू किए जाने के बाद उठाया गया है। यह जानकारी मंगलवार को एक मीडिया रिपोर्ट से मिली। प्रधानमंत्री के करीबी एक सूत्र के हवाले से ‘डॉन’ अखबार ने बताया कि उपप्रधानमंत्री इसहाक डार की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति अनौपचारिक रूप से गठित की गई है और इस संबंध में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है। सूत्र ने बताया कि यह समिति प्रांत में शासन और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की रोजाना निगरानी करेगी और शरीफ को इसकी रिपोर्ट देगा। ‘डॉन’ की खबर के अनुसार, समिति खैबर पख्तूनख्वा में नई प्रशासनिक व्यवस्था के साथ करीबी समन्वय भी बनाए रखेगी और सुरक्षा से जुड़े मामलों सहित उसकी जिम्मेदारियों के निर्वहन में सहायता करेगी। इससे पहले, शरीफ ने प्रांत का कामकाज चलाने के लिए 11 सदस्यीय खैबर पख्तूनख्वा सलाहकार परिषद का गठन किया था। इसे गवर्नर फैसल करीम कुंडी की ‘कैबिनेट’ बताया गया था। विधि राज्य मंत्री बैरिटर अकील ने कहा है कि प्रांत की सुरक्षा स्थिति के आधार पर आपातकाल और राज्यपाल शासन छह महीने से अधिक समय तक लागू रह सकता है।

भारत-पाकिस्तान के मुस्लिमों को ट्रंप ने फंसा दिया, कर दी अजीब हरकत!
नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक इस्लाम और मुस्लिमों पर जुबानी हमले तेज कर दिए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक मुस्लिमों के खिलाफ बयानबाजी की झड़ियां लगा दी हैं। किसी को समझ नहीं आ रहा कि डोनाल्ड ट्रंप चाहते क्या हैं। डोनाल्ड ट्रंप की वजह से ही आज शिया और सुन्नी देश आपस में लड़ रहे हैं। हुती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर 10 साल में सबसे बड़ा हमला कर दिया है। यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सेना में काम कर चुके एक मुस्लिम सैनिक को गोली मारकर उसे मौत की सजा देने और उसके लाइव प्रसारण के आदेश तक दे दिए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को इन हरकतों की वजह से सबसे ज्यादा दुविधा में पाकिस्तान और भारत के कुछ कट्टरपंथी हैं। पाकिस्तान और भारत के यह लोग समझ ही नहीं पा रहे कि डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करें या डोनाल्ड ट्रंप को भला-बुरा कहें। दरअसल डॉनल्ड ट्रंप सरकार की नीतियों के चलते इस वक्त भारत और अमेरिका के संबंध भी बेहद खराब हैं। डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत और पीएम मोदी को टारगेट करते रहते हैं। यह चीज भारत के कुछ कट्टरपंथियों और लाभगमि पुरे पाकिस्तान को परसंद आती है। लेकिन जैसे ही यह लोग भारत को परेशान करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ की तैयारियां शुरू करते हैं, उससे पहले ही डोनाल्ड ट्रंप सीधे इस्लाम पर बयानबाजी शुरू कर देते हैं।

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पारदर्शी शासन और कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए BJP के नेतृत्व वाली सरकार को प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को उत्तरी त्रिपुरा में कई विकास कार्यों की शुरुआत की। उन्होंने कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े प्रोजेक्ट्स, ज़िला प्रशासन और टाटा ट्रस्ट्स के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर, और ग्रामीण सशक्तिकरण व बुनियादी ढांचे से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन शामिल था। व्यस्त कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। इसके बाद उन्होंने एक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नागरिकों पर केंद्रित विकास पर प्रशासन के फोकस को रेखांकित

किया। सभा को संबोधित करते हुए साहा ने कहा कि राज्य सरकार पूरे त्रिपुरा में इंफ्रास्ट्रक्चर और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए विकास का रोडमैप तैयार कर रही है। उन्होंने बताया कि विकास की चल रही पहलों के तहत लगभग 1,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है।

साहा ने कहा, "हम जो भी काम कर सकते हैं, हमें विकास की दिशा में काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री हमेशा कहते हैं कि हमें काम करना चाहिए और एक रोडमैप तैयार करना चाहिए, और हमने वह रोडमैप तैयार कर लिया है। आप हर दिन देखेंगे कि हम अलग-अलग जगहों पर किसी न किसी चीज का उद्घाटन कर रहे हैं। आज भी, यहाँ लगभग 1,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है।" उन कल्याण, शहरी स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण पर जोर देते

टाटा ट्रस्ट्स के साथ एमओयू और नए प्रोजेक्ट्स शुरू



हुए, साहा ने सार्वजनिक प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नई कार्यालय इमारत का उद्घाटन किया, स्थानीय स्वच्छता प्रयासों को मजबूत करने के लिए स्वच्छता वाहनों के एक

बेड़े को हरी झंडी दिखाई, और ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं-सहायता समूहों के लिए वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और बाजार तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए

कर्नाटक में एमएसपी और गन्ने के दाम पर बवाल

नेशनल हाईवे पर किसानों का चक्का जाम



नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक में गन्ना किसानों ने अपनी उपज की अधिक कीमत और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की मांग को लेकर मोलवार को कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाया जिससे यातायात बाधित हुआ। बेलगावी, बागलकोट, विजयपुर और धारवाड़ जिलों में विरोध प्रदर्शन हुए। इस दौरान पुणे-बेंगलुरु मार्ग और निदागुडी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-50 सहित कई प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। बेलगावी जिले के हुक्करे तालुक में हट्टांगी टोल प्लाजा के पास किसानों ने पुणे-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर जाम लगाया।

जिले में कुगनोली जांच चौकी और हिरिबागेवाड़ी टोल प्लाजा के पास भी प्रदर्शन हुए। किसानों ने कहा कि मार्गें पूर्ण होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। सोमवार को

दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ हुई उनकी बैठक में गन्ने की कीमतों पर तत्काल कोई निर्णय नहीं हो सका। किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने, उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) निर्धारित करने और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की, लेकिन किसानों ने स्पष्ट किया कि मार्गें पूरी होने तक नाकबंदी जारी रहेगी।

धारवाड़ में किसान संगठनों ने पल्लीकोप्पा के पास राजमार्ग पर जाम लगाने का आह्वान किया। इसके मद्देनजर पुलिस ने एहतियात के तौर पर कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस सहित अतिरिक्त बल तैनात किया। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को किसानों से आंदोलन वापस लेने की अपील करते हुए आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार उनकी चिंताओं का समाधान करेगी।

किसान नेताओं के साथ बैठक के बाद जोशी ने कहा, भारत सरकार, मोदी सरकार आदिके साथ है। यह काम केवल एक या दो मंत्रालयों के स्तर पर नहीं हो सकता, इसमें कई मंत्रालय शामिल हैं। राज्य सरकारों की भी इसी बात को लेकर दोनों को इसमें शामिल होना होगा।

मिड-ईस्ट में भीषण जंग का असर!

रियाद एयरपोर्ट 17 अक्टूबर तक बंद, हूथी हमलों के आगे कैसे फेल हुआ सऊदी डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। यमन के ईरान-समर्थित हूथी विद्रोहियों द्वारा किए गए जानलेवा हमलों के बाद सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 17 अक्टूबर तक पूरी तरह बंद कर दिया गया है। इन लगातार हमलों ने न केवल हवाई यात्रा को ठप कर दिया है, बल्कि खाड़ी देशों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोमवार को जारी 'नोटिस टू एयर मिशन' के अनुसार – जो पायलटों और एयरलाइंस के लिए जारी होने वाला आधिकारिक एविएशन अडवर्ट है – यह एयरपोर्ट 17 अक्टूबर को 2100 GMT तक बंद रहेगा। इस विस्तार के चलते देश-विदेश की एयरलाइंस को रियाद के लिए अपनी उड़ानें लगातार रद्द या रीशेड्यूल करनी पड़ रही हैं। सऊदी अरब के सिविल एविएशन अथॉरिटी ने स्पष्ट किया है कि एयरपोर्ट का संयंत्रान इसलिए रोका गया है ताकि "सुविधाओं की सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारी को पूरी तरह सुनिश्चित किया जा सके।" जेद्दा के बाव किंग खालिद एयरपोर्ट देश का दूसरा सबसे व्यस्त और अंतराष्ट्रीय उड़ानों का मुख्य केंद्र है। किंग खालिद



इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेद्दा के बाद सऊदी अरब का दूसरा सबसे व्यस्त एयरपोर्ट है और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार है। इसके लंबे समय तक बंद रहने से यात्रियों की यात्रा में रूकावट आई है और एयरलाइंस को पूरे क्षेत्र में अपने क्लो की फ्लि्ट से आकलन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। सऊदी अरब यमन में हूथी विद्रोहियों के खिलाफ अपने अभियान में अमेरिका की अधिक सीधी भूमिका चाहता है। वांशिंशगन ने अब तक सऊदी-नेतृत्व वाले हमले के लिए खुफिया जानकारी

साझा करने, टारगेट की पहचान करने और ऑपरेशनल प्लानिंग में मदद दी है, लेकिन हूथियों के खिलाफ सीधे हमले करने से परहेज किया है। हालाँकि, अमेरिका की सैन्य भागीदारी बढ़ने से विद्रोही 'बाव अल-मंडेब जलडमरूमध्य' से होने वाले सिर्फिंग को निशाना बना सकते हैं। यह यमन के पास लाल सागर के दक्षिणी प्रवेश द्वार पर स्थित एक रणनीतिक जलमार्ग है। वहां किसी भी तरह की रूकावट से वैश्विक व्यापार और फारस की खाड़ी से होने वाली तेल की रस्साई को और खतरा हो सकता है।

स्टारलिक उपग्रह स्टेशन में आग

लगाने के पीछे रूसी खुफिया

एजेंसियां, पोलैंड का दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पोलैंड ने सितंबर में स्टारलिक उपग्रह स्टेशन में आगजनी की घटना के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है और स्टेशन को नुकसान पहुंचाने के संबंध में त्रुटिों के दो नागरिकों की गिरफ्तार किया है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। पोलैंड के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि संदिग्धों को जर्मनी में गिरफ्तार किया गया। पोलैंड के निजता संबंधी नियमों के कारण उनके नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। आरोपियों पर 23 सितंबर को चारघों से करीब 40 किलोमीटर दक्षिण में स्थित वोला क्रोबोल्स्का में स्टारलिक के बुनियादी ढांचे में जानबूझकर आग लगाने का आरोप है।

खुफिया सेवाओं की निगरानी करने वाले पोलैंड के मंत्री तोमाश सिएमोयियाक ने एक प्रेस वृत्ति में कहा, “हमें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि उपग्रह को नुकसान पहुंचाने की इस घटना के पीछे रूसी खुफिया सेवाओं का हाथ है।”

त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत TRLM दीदी वाहनों को लॉन्च किया। सभी क्षेत्रों में विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवा, रेलवे कनेक्टिविटी, संचार, इंटरनेट सुविधा और खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा, "चाहे स्वास्थ्य सेवा हो, रेलवे, संचार, इंटरनेट या खेल, हम इन सभी क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। हम प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन के अनुरूप, 2047 तक राज्य को विकसित बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।"

साहा ने उत्तरी त्रिपुरा की क्षमता पर भी प्रकाश डाला और बताया कि इस जिले के कई लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले सालों में यह इलाका राज्य के विकास में अहम योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विकास परियोजनाओं को तय समय

सीमा के अंदर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने राज्य की पिछली कम्युनिस्ट सरकारों पर भी निशाना साधा। साहा ने कहा, "त्रिपुरा को अब एक नई दिशा मिली है। हम राज्य को उस तरह नहीं चलाएंगे जैसे पहले कम्युनिस्ट चलाते थे। उनका नारा था कि काम न करो, बस बांटे करते रहो और चिंता करते रहो। हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास', और सभी काम एक समय सीमा के भीतर पूरे होने चाहिए। हमने यही सीखा है और हम उसी के अनुसार काम कर रहे हैं।"

उद्घाटन और शिलान्यास समारोह उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनाथ में नवनिर्मित जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर कार्यालय में आयोजित किए गए। इस मौके पर विधायक जाधव लाल नाथ, सचिव किरण मिश्र, अभिषेक सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ सैकड़ों लोग मौजूद थे।

आप लड़ेगी हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव अरविंद केजरीवाल नवंबर में करेंगे दौरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी 2027 के हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी का फोकस अपने जमीनी संगठन को मजबूत करने पर है ताकि वह भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के विकल्प के तौर पर खुद को पेश कर सके। यह जानकारी अरुंधत के हिमाचल प्रदेश प्रभारी ऋतुराज झा ने दी। झा ने यह बात 13 अक्टूबर को शिमला में लोअर मॉल पर 7/11 कॉम्प्लेक्स के पास बाबा कॉम्प्लेक्स में पार्टी के नए राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कही। उन्होंने बताया कि AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के 15 नवंबर के आसपास शिमला आने की उम्मीद है, जहाँ वे पार्टी की भविष्य की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौर के दौरान सात से आठ नेताओं के पार्टी में शामिल होने की संभावना है। झा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग बीजेपी और कांग्रेस, दोनों से तृप्त आ चुके हैं।

वे कभी एक पार्टी को चोट देते हैं तो कभी दूसरी को, लेकिन हमारी नजर में दोनों पार्टियाँ लूट-खसोट वाली राजनीति करती हैं। वे अपने वादे पूरे करने में नाकाम रही हैं, चाहे वह अरुंधत स्कूल बना हो, महिलाओं को 1,500 रुपये देना हो, 300 युनिट मुफ्त बिजली देना हो या युवाओं के लिए रोजगार पैदा करना हो। उन्होंने दावा किया कि अरुंध ने पंजाब में अपने वादे पूरे किए हैं और हिमाचल प्रदेश में भी अपने गवर्नेंस मॉडल को लागू करने की पार्टी की मंशा जाहिर



की। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी काम की राजनीति में यकीन रखती है, जबकि बीजेपी और कांग्रेस लूट-खसोट की राजनीति में लगी हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग एक विकल्प चाहते हैं और हम उन्हें वह विकल्प देने की तैयारी कर रहे हैं।

झा ने कहा कि पार्टी पिछले एक साल से संगठन के विस्तार पर काम कर रही है, जिसमें संभावित नेताओं की पहचान करना और जमीनी स्तर पर अपने नेटवर्क को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा कि अगले तीन से चार महीनों में हमारा संगठन बृथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक तैयार हो जाएगा। हम लगभग एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। झा के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में 20,000 से ज्यादा नए सदस्य AAP से जुड़े हैं और 50 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों में सदस्यता अधिमान चल रहे हैं। पार्टी ने कम से कम पाँच लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है।

जोहो के श्रीधर वेम्बू बोले, एआई खर्च

बढ़ने के कारण इस साल नहीं बढ़ेगा वेतन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टेकनल कंपनियों के सामने बढ़ती लागत और एआई पर होने वाले खर्च ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। अब इस परेशानी का असर भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनी जोहो पर भी दिखाई दे रहा है। कंपनी के संस्थापक श्रीधर वेम्बू ने बताया है कि बढ़ते खर्च को संभालना मुश्किल होता जा रहा है। इसी वजह से जोहो ने इस साल कर्मचारियों के वेतन में होने वाली नियमित बढ़ोतरी और प्रदर्शन के आधार पर मिलने वाले वेतन संशोधन को रोकने का फैसला किया है। वेम्बू ने इस फैसले के लिए कर्मचारियों से माफ़ी भी मांगी है। श्रीधर वेम्बू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी बात रखते हुए बताया कि कंपनी खर्च कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। इनमें प्रचार और विज्ञापन पर होने वाले खर्च में कटौती भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस साल कर्मचारियों के वेतन में सामान्य तौर पर होने वाली बढ़ोतरी नहीं की जा सकेगी। यम्बू ने इसके लिए खेद जताते हुए कहा कि वह

इस स्थिति से बचने का कोई रास्ता नहीं निकाल सके। उन्होंने यह भी माना कि सॉफ्टवेयर उद्योग के लिए आने वाला समय आसान नहीं दिख रहा है।

कंपनी फिलहाल बड़े स्तर पर कर्मचारियों की नौकरी से निकालने से बचने की कोशिश कर रही है। वेम्बू के मुताबिक, जोहो ने पिछले 18 महीनों से अपने कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी नहीं की है। उन्होंने कहा कि कंपनी कर्मचारियों की नौकरियां बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी, लेकिन पूरे सॉफ्टवेयर क्षेत्र में रोजगार को लेकर स्थिति नितांतकम है।

बता दें कि पिछले कुछ महीनों में तकनीकी क्षेत्र की कई बड़ी कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी की है। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, ओरेकल और टीसीएस जैसी कंपनियां शामिल हैं।

लद्दाख के 28 रणनीतिक इलाकों की मैपिंग से बौखलाया चीन, भारत ने खारिज किया दावा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन ने भारत की निर्विवाद संप्रभुता को चुनौती देने की बेताब कोशिशें की। उसने तब बेकार की आपत्तियां उठाई जब केंद्र सरकार ने आधिकारिक मैपिंग के लिए केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 28 रणनीतिक जगहों और भौगोलिक विशेषताओं के नामों की पहचान की। और उन्हें स्टैंडर्ड कर दिया। गृह

मंत्रालय के अनुसार, केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलकर आधिकारिक तौर पर 28 जगहों जिनमें चोटियां, दर्रे, जमीन के हिस्से और जल निकाय शामिल हैं—को पहचान उनके स्टैंडर्ड नामों से की, ताकि उन्हें 'सर्वे ऑफ इंडिया' (SoI) के आधिकारिक नक्शे में शामिल किया जा सके। गृह मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में एक बयान में कहा, "केंद्र शासित

प्रवक्ता माओ मिंग ने मंगलवार को भारतीय क्षेत्र पर दावा करते हुए आरोप लगाया कि भारत का यह कदम गैर-कानूनी है। माओ ने 'ग्लोबल टाइम्स' के हवाले से कहा चीन ने भारत द्वारा एकतरफा और गैर-कानूनी ढंग से बनाए गए तथाकथित 'केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख' को सभी मान्यता नहीं दी है और वह भारत द्वारा तथाकथित मानक नामों की घोषणा का कड़ा विरोध करता है। यह कदम गैर-कानूनी और अमान्य है और इस चर्चाओं को नहीं बढ़ा सकता कि चीन-भारत सीमा के पड़मिली सेक्टर में संबंधित इलाके हमेशा से चीन का हिस्सा रहे हैं।" हालांकि, अपनी क्षेत्रीय अखंडता पर भारत के हथुड़े और अडिग रख के सामने वॉशिंग के बेताब तर्क पूरी तरह से बेकार अनुसृत होते हैं।